अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 112, अंकः 06, जून-2019 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2019-20 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

माननीय श्री लक्ष्मण जी जांगिड,

बधाई के पात्र है श्री लक्ष्मण जी जांगिड, थाने मुम्बई

जिन्होंने महासभा भवन मुण्डका, दिल्ली के निर्माण हेतु रूपये 11 लाख का प्रशंसनीय योगदान देकर सुप्रसिद्ध समाजसेवी की अपनी छवि को सार्थकता प्रदान की है।

-प्रधान

कुल पृष्ठ-68

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा रायपुरखल-पंजाब

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर) -11 लाख + 1.25 करोड एक मंजिल निर्माण में सहयोग

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर) चेयरमैन प्रस्तावित महासभा भवन -86,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड जी, मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई) -21,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड़ जी, सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री रविशंकर शर्मा जी, (जयपुर), महासभा प्रधान -11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड (सीकर, राजस्थान), -11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (बेंगलुरू) -501,000/-

प्रदेशसभा राजस्थान -5,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राजेन्द्र शर्मा जी
(मै.राज.कोच बिल्डर्स, धार)
-5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड जी,
(जोधपुर)
-5,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी,
(बैंगलोर)
-5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
-5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
-5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी
(टाईगर) (दिल्ली)
-5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
-5,00,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी,
(धारूहेड़ा)
-2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी,
(जयपुर)
-2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी
(सीकर)
-2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
-2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी,
(मुम्बई),
-2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी
(मुम्बई),
-2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी
(नदबई),
-2,51,000/-

श्री प्रहलाद राय जांगिड जी,
(नांदेड़),
-2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी देवास,
(मध्य प्रदेश)
-2,50,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी,
(अहमदाबाद)
-2,50,000/-

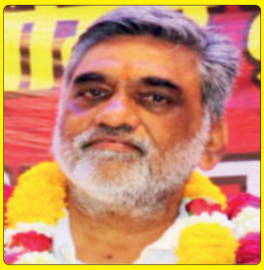

श्री संजय शर्मा जी,
(जयपुर)
-2,00,000/-

जिलासभा बाड़मेर
(राजस्थान)
-2,00,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी
आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा -1,53,000/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार
-करावल नगर-उपाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,51,111/-

श्री जवाहर लाल जांगिड जी,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
-1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी
यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा-1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड जी
(नागपुर)
-1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी
थाने, मुम्बई
-1,51,000/-

जिलासभा पुणे
महाराष्ट्र
-1,50,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जी,
(गुड़गांव)
-1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगडा
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
-1,11,111/-

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
-1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी,
(रोहतक)
-1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी,
(रोहतक)
-1,11,111/-

श्री फूल कुमार जी जांगडा,
(सोनीपत)
-1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री श्रीचन्द शर्मा जी,
मुल्तान नगर (दिल्ली)
-1,11,000/-

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी
(रोहतक)
-1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी,
समालखा(पानीपत)
-1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी
(नागपुर)
-1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(नागपुर)
-1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी
(खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
-1,01,101/-

श्री हरिपाल शर्मा जी
फालना(अटेली मंडी)
-1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी,
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली-1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी
ज्योति कॉलोनी-महामंत्री
अ.भा.जां.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी
श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा
दिल्ली-1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा जी
आई.पी.एक्सटेंशन-सह कोषाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी
ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी
दिल्ली जिलासभा-1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह जी आर्य
कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली
जिलासभा-1,01,000/-

श्रीमती सुमित्रा देवी जी
ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान)
महासभा -1,00,111/-

श्री टेकचन्द जांगिड जी
फरीदाबाद,
-1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
-1,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री विजय शर्मा जी
(ताबडू)
-1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
-1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी,
(छतीसगढ़)
-1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी,
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
-1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
-1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

श्री शिवचन्दर जांगिड जी
अटेली मंडी,(नारनौल)
-55,555/-

श्री मोहिन्द्र कुमार जी आर्य,
(महेन्द्रगढ़)
-51,151/-

श्री हंसराज जांगिड जी
(दिल्ली)
-51,000/-

श्री सूरजमल बरनेला जी
(छतीसगढ़)
-51,000/-

प्रदेशसभा
उतराखण्ड
-51,000/-

श्री मालीराम जांगिड जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री इन्द्रचन्द शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री गोपाल शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री ब्रह्मदत्त शर्मा जी
(गाजियाबाद)
-51,000/-

श्री मुकेश शर्मा जी
(मोदीनगर)
-51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजय शर्मा जी
(रोहिणी, दिल्ली)
-51,000/-

श्री जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति(नासिक, महाराष्ट्र)
-51,000/-

श्री महावीर प्रसाद जांगिड जी
अहमदाबाद
-51,000/-

श्री नारायण दत्त जी(साड़ीवाले)
(लक्ष्मी नगर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री दयानन्द रामकुमार जांगिड जी
(अन्धेरी ई. मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रहलाद कुमार जांगिड जी
(भायंदर, मुम्बई)
-51,000/-

श्री बाबू के. जांगिड जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री रमेश ग्रामीण जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री सावरमल रामगोपाल जांगिड जी
(कांदीवली ईस्ट मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रमोद जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री विनोद कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री विनोद कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री ओमप्रकाश जे. शर्मा जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री हरलाल बी. जांगिड जी
(मीरा रोड, मुम्बई)
-51,000/-

श्री पुरूषोत्तम दास (गोठवाल)
(अरनिया वाले, जयपुर)
-51,000/-

श्री राजेश जांगिड़ जी एवं
श्री निर्मल जांगिड़ जी
हैदराबाद -51000/-

श्री जयनारायण जांगिड
(जयपुर)
-21,000/-

श्री परमेश्वर जांगिड जी
(हैदराबाद)
-21,000/-

श्री रामदेव जांगिड जी
(हैदराबाद)
-11,000/-

श्री लक्ष्मीनाराण जांगिड जी
(नासिक)
-51,00/-

G.L. Sharma
Director
9986700644, 9326100644

Shree
Damodar Coach Craft Pvt. Ltd.

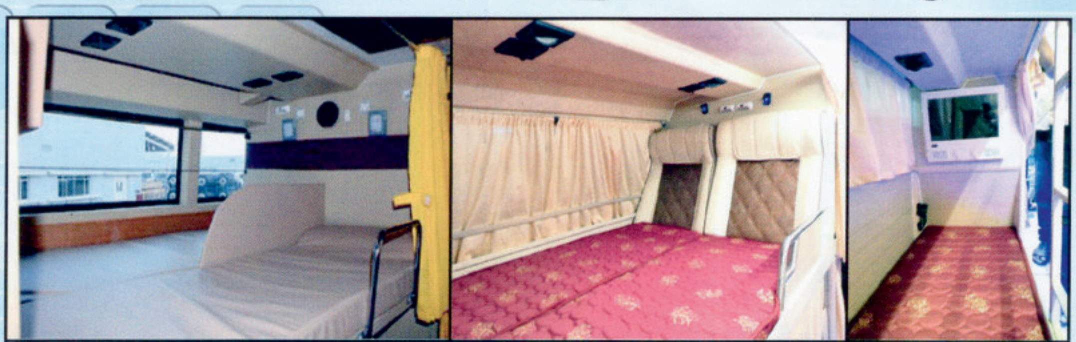

Sy No. 21/2A/2, NH-4, Near Dabaspet Flyover, Tumkur Road,
Bengaluru-562 111 • Ph. : 080-27735045-46
Email : glsharma7374@gmail.com, sdccblr@gmail.com

Plot No. 97/98, Industrial Estate, Bicholim, Goa-403529
Ph. : 0832-2362149 • E-mail : sdccgoa@gmail.com

ISHAKA

Unit of K. C. Furnishers

Ishaka Decor Pvt. Ltd.

Spl. In:

All Type of Wood Works & Interiors

Sh. Anil Jangid
Managing Director

Late Sh. K. C. Jangid
Founder

Address(Factory): G-251, Phase-VI, Aya Nagar, New Delhi - 110 047.

Address (Showroom): G-264, Aya Nagar Delhi - 110 047.

Mob.: 9810988553, 9818132880, 9868404767
Email: ishaka.co.in@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.......

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)

पूर्व महामंत्री, जां.ब्रा.प्रदेश सभा दिल्ली

OMKARA

TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR	:	Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247
BHIWANDI	:	BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi Mr. Naresh 9320253841
CHANDIGARH	:	Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555
DELHI	:	AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042 Mr.Rajender Prasad 9311610041
FARIDABAD	:	17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741
GANDHIDHAM	:	105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577
GURGAON	:	Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403
VAPI	:	15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase, GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191
PANT NAGAR	:	MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar Mr.Trilok Singh 9358865110
PUNE	:	Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378
BHIWADI	:	G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019 Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567
MUMBAI	:	105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009 Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

'जांगिड ब्राह्मण' पत्र के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज में भावात्मक एकता, सहभागिता, सदाचार एवं नैतिकता जैसे गुण प्रोत्साहित करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर कर उनके उन्मूलन हेतु जनाधर तैयार करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42470443, 011-42420443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रविशंकर शर्मा ''जांगिड''	-	09414110627
महामंत्री-पं.चन्द्रपाल भारद्वाज ''जांगिड''	-	09971915304
सम्पादक-पं.प्रभुदयाल शर्मा ''जांगिड''	-	09799055485
सह-सम्पादक-पं.मनोहरलाल शर्मा ''जांगिड''	-	09968910271

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(27-01-2013 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	251/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-, वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-, वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के **स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. 61012926182 (IFSC Code: SBIN0031013)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

-शंकर लाल ''जांगिड''
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 09460381389

अनिल कुमार शर्मा ''जांगिड''
सह-कोषाध्यक्ष, मो. 09650027603

।। ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

13. सम्पादकीय.....
14. पर्व गुरू पूर्णिमा......
16. महासभा आगामी मींटिग की सूचना..
17. विभिन्न प्रदेशसभाओं के प्रदेशाध्यक्ष..
18. जां.ब्रा.महासभा की त्रैमासिक मींटिग..
19. मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना...
20. अ.भा.प.स्कूल बांकनेर का शताब्दी..
21. दिशाहीन युवाओं को सही दिशा..
22. उद्योगपति व भामाशाह-श्री रामपाल जी
23. महिमा मंडन मंच.....
24. जा.ब्रा.महासभा तहसील ईकाई चुरू..
25. जीवन में अष्टांग योग का महत्व..
27. आवश्यक सूचना प्रमाणित रसीदो का..
28. म.प्र.प्रदेशसभा की त्रैमासिक मींटिग...
29. शाखासभा फरीदाबाद ओल्ड का ...
30. शिल्पाचार्य मंडन और उनके वंशजों..
32. सफलता के लिए संकल्प शक्ति...
33. तहसील निवाई (टोंक) कार्यकारिणी..
34. जांगिड ब्राह्मण समाज की व्यथा..
35. हार्दिक आभार....
36. जिलासभा जा.ब्रा. युवा मंच...
37. दूरदर्शिता ही उज्ज्वल भविष्य की जननी.
38. आज नारी के गौरव का समझने....
40. प्रेरणादायक सहयोगी लेखक...
41. समाज बंधुओं से विनम्र अपील..
42. होनहार प्रतिभाएं.....
47. अंहकार् मैने ये-ये किये थे...
48. शुभ विवाह...
49. संरक्षक सदस्य पत्रिका रहित.....
56. वैवाहिक विज्ञापन..
58. शोक सन्देश,

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

महासभा मुण्डका भवन हेतु दान दाताओं की सूची
श्री दामोदर कोच क्राफ्ट प्रा.लि..
इशाका डेकोर प्र.लि.
ओमकारा ट्रांसपोर्ट प्राईवेट लि.
कृष्णा इंटीरियर्स
जांगिड इंटीरियर्स डेकोर प्रा.लि.
श्री विश्वकर्मा (एमरी स्टोन)
विश्वकर्मा लेमिनेट्स प्रा.लि.
ओम मेटल वर्क्स
शुभ विवाह....
शुभ विवाह व अ.भा.प.स्कूल बांकनेर
शताब्दी समारोह की चित्रावली...
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स

Magzine Designed by Chandan

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही है। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ है तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते है कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।?

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की **10 तारीख तक** महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमें पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।-**सम्पादक**

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

''हमारे जीवन में खुशियां, सकारात्मक सोच से मिलती हैं''

जब हम अपने मानवीय जीवन और उसकी नियति के बारे में सोचने लगते है तो हमारे लिए यह असीमित सकारात्मकता और आशावादिता का वातावरण निर्मित करता है। इससे हमारा जीवन ब्रह्माण्ड के उस नियम से बंधकर, जो हमारे मानवीय जीवन के लिए नियत तथा निर्धारित है, समुचित कर्मयोग में रम जाता है, यह कर्मयोग ही सार्थक होता है। इसमें कोई मानव जनित विकार नहीं होता।

कर्मयोग ही वह ब्रह्म माध्यम है, जिसके बल पर हम अपनी जीव आत्मा से जुड़ पाते है। स्वयं से यह जीवात्मक जुड़ाव हमारे आत्म ज्ञान को जागृत करता है। इसके बाद हम न केवल अपने वर्तमान जीवन के उद्देश्य, अपितु जीवन के बाद अपनी गति का पूर्वाभास प्राप्त कर सकते है। इस स्थिति में एक विचार हमें बारंबर उद्वेलित करता है कि मानवीय विकारों, द्वेषों तथा दुर्गणों से रहित होकर जीवन के बारे में एक व्यक्ति का जो भी मौलिक या चिंतन होता है, निश्चित रूप से वह ब्रह्म सूत्रों से प्रतिपादित चिंतन के समान ही होता है। इस सृष्टि के लिए नियत आध्यात्मिक नियम है। इन नियमों का आत्मानुपालन करना हमारे जीवन का धर्म होना चाहिए। इसके लिए हमारी चेतना निरंतर जागृत होनी चाहिए और हमें ब्रह्म सूत्रों से प्रेरित आत्मचिंतन होना चाहिए। इस चिंतनावस्था में मानव वास्तव में साधारण मानव नही होता। यह ब्रह्म सूत्रों का ज्ञाता तथा सनातन धर्म-पुराणों का एक ज्ञानी व्यक्तित्व होता है। इस स्थिति का ज्ञान केवल उस ब्रह्म ज्ञानी मानव को ही नही होता,बल्कि उसके बाह्य व्यक्तित्व के चमत्कृत प्रभाव को देखने वाले सामान्य व्यक्तियों को भी होता है।

मानव जीवन में प्रत्येक व्यक्ति का ब्रह्म रूपान्तरण ऐसे ही होता है। ऐसे रूपांतरित होते रहना मनुष्य का आध्यात्मिक दायित्व भी होना चाहिए। इसी मूल नियति से बंधकर, कर्मयोग से जुड़कर हम अपने जीवन को हर रूप में साकार कर सकते है। इस प्रेरणा से हम स्वयं को सद्भावनाओं, संवेदनाओं और संकल्पनाओं से जोड़ स्वयं का ही नही बल्कि दूसरों के जीवन का भी आध्यात्मिक, धार्मिक और भावनात्मक उद्धार कर सकते है।

जीवन में इस तरह रमे रहकर हम अंत में स्वयं के लिए जीवन-मरण के बंधन से मुक्त होने का एक महान मार्ग भी तैयार करते है। इस मार्ग पर चलते हुए परमात्मा में लीन होने का अवसर भी मिलता है। यदि भौतिक जीवन में विचरण करने और सुख-संसाधन, अधिकार, धन-वैभव, मान-सम्मान प्राप्त करने या न करने के सम्बन्ध में मानव की नियति पूर्व निर्धारित है। तथा इसमें परिवर्तन संभव नही तो भी अपना आध्यात्मिक रूपांतरण करने मानव इस नियति से मुक्त हो सकता है। इस अंतर्ज्ञान से वह अपना जीता-जागता जीवन ही नही, जीवन के बाद की स्थिति भी सुधार सकता है। अपनी सकारात्मक सोच ही हमारे जीवन में आनन्द की अनुभूति प्राप्त होती है।

सकारात्मक सोच कर्म के लिए कहा गया है- गीता में भी बताया गया है कि:-

''तस्मादसक्त: सततं कार्य कर्म समाचर।
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमाप्नोति पुरूष:।। गीता 3।19।।

अर्थात्- इसलिए तू निरतंर आसक्ति से रहित होकर सदा कर्तव्य कर्म को भली भाँति करता रह। क्योंकि आसक्ति से रहित होकर कर्म करता हुआ मनुष्य परमात्मा को प्राप्त हो जाता है।

सम्पादक, प्रभुदयाल शर्मा 'जांगिड'

गुरू की गुरूता को नमन करने का पर्व है : गुरू पूर्णिमा

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरं,तत्पदं दर्शितं येन,तस्मै श्री गुरूवेनमः।।

अर्थात् - उस महान गुरू का अभिवादन जिसने उस अवस्था का साक्षात्कार कराना संभव किया जो सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त है, सभी जीवित और मृत में।

गुरू पूर्णिमा भारत का एक पारम्परिक एवं सांस्कृतिक पर्व है। यह पर्व जीवन में गुरू की महत्ता व महर्षि वेदव्यास को समर्पित है तथा भारत के प्रसिद्ध पर्वो में से एक पर्व है। हिन्दू पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा को गुरू पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इस दिन को हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार महाभारत के रचियता वेदव्यासजी का जन्मदिवस भी माना जाता है । महाभारत जैसा महाकाव्य उन्हीं की देन है। वेदव्यासजी को आदिगुरू भी कहा जाता है इसलिए गुरूपूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन गुरू पूजा का विधान है। प्राचीन काल में जब शिष्य गुरू के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धाभाव से प्रेरित होकर गुरू का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य अनुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। मान्यता है कि इस दिन गुरू का पूजन करने से गुरू की दीक्षा का पूर्ण फल शिष्य को मिलता है। गुरू पूर्णिमा का यह पर्व भारत में बडे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला ही गुरू कहलाता है। गुरू ही है जो धर्म का मार्ग दिखाने, सोये को जगाने, भटके को राह दिखाने, स्वार्थ में लगे लोगों को परमार्थ के लिए प्रेरित करने, विपत्ति में फंसे लोगों का उद्धार करने, निराशा में आशा का संचार करने, मानवीय मूल्यों का बोध कराने तथा सभी समस्याओं का समाधान करते हुए अपने शिष्य को लक्ष्य तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। **राम कृष्ण सबसे बडा, उनहूं तो गुरू कीन्ह, तीन लोक के वे धनी गुरू आज्ञा आधीन।।**अर्थात भगवान भी जिनकी आज्ञा के अधीन हों, ऐसी महत्ता होती है गुरू की। ईश्वर के अस्तित्व में एक बार मतभेद हो सकता है, पर गुरू के लिए मतभेद कभी उत्पन्न नहीं हुआ। गुरू को सभी ने माना है। गुरू सदा से ही आदर, प्रशंसा तथा पूजा के योग्य रहे हैं। भारत जैसे देश में अनेक समुदाय तो केवल गुरूवाणी पर ही कायम हैं। जो गुरू ने बता दिया, उसी मार्ग पर श्रद्धा से चलना, उस सम्प्रदाय के शिष्यों का कर्तव्य होता है।जीवन में गुरू के महत्व का वर्णन कबीरदासजी ने अपने दोहों में पूरी आत्मीयता से किया है । वे कहते हैं - **गुरू गोविन्द दोउ खडे काके लागूं पांय बलिहारी गुरू आपकी जो गोविन्द दियो बताए।।** अर्थात गुरू और भगवान एकसाथ खडे हों तो गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनकी कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हिन्दू धर्म में तो गुरू की महिमा ईश्वर समान मानी गई है। इस संसार रूपी भवसागर से पार कराने में केवल गुरू ही समर्थ है। सदगुरू की कृपा से तो ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। **गुरू ब्रह्मा, गुरू विष्णु, गुरूर्देवो महेश्वरः गुरू साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरूवे नमः** शास्त्र वाक्यों के अनुसार गुरू को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्म, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। संत कबीर ने कहा है कि **''हरि रूठे गुरू ठौर है, गुरू रूठे नहीं ठौर''** अर्थात भगवान के रूठने पर तो गुरू की शरण रक्षा कर सकती है, पर गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना संभव नहीं है। अतः जीवन में गुरू का महत्व बहुत अधिक है । आने वाली पीढी को गुरू का महत्व बताने के लिए ''गुरू पूर्णिमा'' का यह पर्व आदर्श है। गुरू का आशीर्वाद सभी के लिए कल्याणकारी व ज्ञानवर्धक होता है।इसलिए इस दिन गुरू पूजा के बाद उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है । संत कबीर ने गुरू की महिमा में कहा है कि

-यह तन विष की बेलडी, गुरू अमृत की खान, शीश दिए जो गुरू मिले, तो भी सस्ता जान। अर्थात् अपना सर्वस्व समर्पित करने पर भी सदगुरू से भेंट हो जाए जो विषय विकारों से मुक्त है, तो भी यह सौदा सस्ता ही समझना चाहिए। क्योंकि गुरू से ही हमें ज्ञानरूपी अनमोल सम्पत्ति मिल सकती है जो तीनों लोकों की सम्पत्तियों से भी बढकर है।

हमारे जीवन के प्रथम गुरू तो हमारे माता पिता ही होते हैं, जो हमारा पालन पोषण करते हैं, तथा सामाजिक नियमों से रूबरू कराते हैं । अत: वे तो सर्वोपरि हैं हीं, परन्तु जीवन का विकास सुचारू रूप से सतत चलता रहे, उसके लिए गुरू की आवश्यकता होती है। भावी जीवन का निर्धारण गुरू के द्वारा ही होता है। इस प्रकार जन्म देने वालों से भी अधिक महत्व जीवन जीना सीखाने वाले गुरू को दिया गया है। इतिहास गवाह है कि अवतारी महापुरूष को भी गुरू के मार्गदर्शन की आवश्यकता पडी है। भगवान श्रीराम को महर्षि वशिष्ठ एवं विश्वामित्र जैसे गुरूओं के सानिध्य में ही सर्वांगीण विकास करने का अवसर मिला। श्रीकृष्ण को ''कृष्ण वन्दे जगद्‌गुरूंम'' कहा जाता है फिर भी श्रीकृष्ण का जीवन गर्ग ऋषि एवं सांदीपनि ऋषि के मार्गदर्शन से ही आलोकित हुआ । गुरू द्रोणाचार्य के सानिध्य में अर्जुन तो अच्छा शिष्य था ही परन्तु मिट्‌टी की मूर्ति को गुरू मानकर और उनके मार्गदर्शन में एकलव्य अर्जुन से भी श्रेष्ठ धनुर्धर बना।

संत कबीर ने रामानंद को गुरू मानकर गुरू के गुरूत्व की महत्ता को प्रकट किया। चन्द्रगुप्त मौर्य ने गुरू चाणक्य से सीखकर ही विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया। छत्रपति शिवाजी पर समर्थ गुरू रामदास का प्रभाव रहा, तो स्वामी विवेकानंद को गुरू परमहंस का सानिध्य मिला और वे उनकी कृपा से ही आत्मसाक्षात्कार कर सके। संत शिरोमणि तुलसीदासजी ने रामचरित मानस में लिखा है

''गुरू बिनु भवनिधि तरहिं न कोई, जो बिरंचि शंकर सम होई''

भले ही कोई ब्रह्म एवं शंकर के समान क्यों न हो, वह गुरू के बिना भवसागर पार नहीं कर सकता। धरती के आरंभ से ही गुरू की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला गया है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों, रामायण, गीता, गुरूग्रंथ सहित सभी धर्मग्रंथों एवं महान संतों द्वारा गुरू की महिमा का गुणगान किया गया है। गुरू और भगवान में कोई अंतर नहीं माना है । प्रत्येक मनुष्य को सम्पूर्ण विकास तथा आध्यात्म प्रकाश के लिए गुरू का सानिध्य अति आवश्यक है। हमें गर्व है कि शंकराचार्य, वाल्मिकी, वेदव्यास एवं द्रोणाचार्य जैसे महान गुरू हमारी भारत भूमि पर ही जन्में हैं । पुरातन काल से चली आ रही गुरू महिमा को शब्दों में लिखा ही नहीं जा सकता। इसीलिए संत कबीर कहते हैं- **सात समुंदर की मसी करूं लेखनी सब वन राय । धरती सब कागज करूं हरि(गुरू) गुण लिखा न जाए।।** अर्थात यदि समस्त समुन्द्रो की स्याही बनाकर, सब जंगलो की कलम बनाकर, समस्त धरती को लपेटकर कागज बनाले, तब भी हरि (गुरू) के गुण की महिमा नहीं लिखीं जा सकती । गुरू तो ज्ञान का पर्याय हैं उनकी महिमा का बखान करना सूरज को दीपक दिखाना है। जिसके जीवन में गुरू का आशीष नहीं उसका जीवन सदैव एक कच्चे फल की भांति है। गुरू हमारी अर्न्तआत्मा को आहत किए बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से ही मिलता है ।**''जिन्दगी में हर वो इंसान गुरू है जो जिन्दगी को जीना सीखा दे वो हमें हमारी खुशियों का अहसास दिला दे। हमें हमारी सच्चाई का आईना दिखा दे तथा कमियों को भी ऐसे बताए कि खुद ब खुद उन्हें सुधारने का दिल करे और हमें हर हाल में मुस्कुराना सिखा दे।''**गुरू पूर्णिमा के इस पवित्र पर्व पर संसार के समस्त गुरूजनों को शत शत नमन करते हुए सभी को गुरू पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रवीण शर्मा, नीमच उपप्रधान महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा,दिल्ली

मीटिंग की सूचना

सादर सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग **4 अगस्त 2019 को प्रातः 10:30 बजे से जलसा बैंक्वेट हॉल, बेस्ट प्राईज के सामने, बाईपास रोड़, इन्दौर** में आयोजित की जायेगी। मीटिंग की अध्यक्षता राष्ट्रीय प्रधान श्री रविशंकर जांगिड करेंगे। मुख्य अतिथि पूर्व महासभा प्रधान एवं महासभा भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चन्द्र जी बरनेला होंगे। (महासभा मीटिंग का एजेण्डा अगले माह के अंक में प्रकाशित किया जायेगा।)

अतः हम महासभा के सभी कार्यकारिणी सदस्यों से अनुरोध करते है कि 04 अगस्त 2019 की बैठक में आप सभी पधारकर आप अपना सार्थक सहयोग दें।

धन्यवाद

चन्द्रपाल भारद्वाज

महामंत्री महासभा

सम्पर्क सूत्रः-

1. श्री प्रदीप शर्मा मण्डावाले - 9993066629
2. श्री प्रभुदयाल बरनेला - 9826174822
3. सीए अनिल शर्मा - 9650027603
4. श्री प्रभुदयाल शर्मा - 9425047720 (प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश)

जिलासभा इन्दौर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मातादीन जांगिड(बरनेला) को निर्विरोध चुनने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

विभिन्न प्रदेशसभाओं के 'प्रदेशाध्यक्ष' पद हेतु

-:चुनाव अधिसूचना :-

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी की मीटिंग दिनांक 26 मई 2019 को बांकनेर, दिल्ली में सम्पन्न हुई। इसमे ऐजेण्डानुसार लिए गये निर्णयानुसार मैं **रविशंकर जांगिड ''प्रधान''** अ.भा.जा.ब्रा. महासभा दिल्ली, महासभा संविधान संविधान दिनांक 27 जनवरी 2013 की धारा (7) के नियम (10) एवं धारा (14) के नियम (1) के अनुसार आगामी 3 वर्ष कार्यकाल (2019-2022) के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत विभिन्न प्रदेशसभाओं के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद हेतु चुनाव अग्रलिखित तिथि को करवाने की घोषणा करता हैँ।

क्र.स.	प्रदेश सभा	दिनांक
1.	गुजरात	06 अक्टूबर 2019, रविवार
2.	कर्नाटक	06 अक्टूबर 2019, रविवार
3.	छत्तीसगढ़	06 अक्टूबर 2019, रविवार
4.	तमिलनाडू	06 अक्टूबर 2019, रविवार
5.	हरियाणा	03 नवम्बर 2019, रविवार
6.	दिल्ली	03 नवम्बर 2019, रविवार

उक्त वर्णित प्रदेशसभाओं के **''प्रदेशाध्यक्ष''** पद के चुनाव कार्यक्रम सम्पन्न करवाने हेतु कार्यकारिणी में हुए निर्णयानुसार विभिन्न प्रदेशसभाओं के चुनाव अधिकारी नियुक्त किये जाते है।

क्र.स.	प्रदेश सभा	चुनाव अधिकारी	मोबाइल नम्बर
1.	गुजरात प्रदेश-	श्री प्रवीण जी शर्मा(म.प्र.)	9300905141
2.	कर्नाटक प्रदेश-	श्री मदनलाल जी शर्मा(गुजराज)	9824388390
3.	छत्तीसगढ़ प्रदेश-	श्री प्रभुदयाल जी बरनेला(म.प्र.)	9826174822
4.	तमिलनाडू प्रदेश -	श्री विद्यासागर जी (हरियाणा)	9910300480
5.	हरियाणा प्रदेश	श्री सुरेन्द्र जी वत्स	9818125123
		श्री लोकेश जी {दिल्ली}	9810245837
6.	दिल्ली प्रदेश	श्री कैलाश जी साली	9829062211
		श्री बसन्त जी गेपाल {राज.}	9680010591

चुनाव अधिकारी मंडल को यह अधिकार दिया जाता है कि आवश्यकतानुसार प्रदेश मतदान अधिकारियों की नियुक्तियां कर महासभा संविधान के अनुसार प्रदेशसभाओं के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद का चुनाव निष्पक्षता से सम्पन्न करावें। मतदान करने का एवं ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद हेतु प्रत्याशी होने का अधिकार उन्हीं सम्माननीय सदस्यों को होगा जो सम्बंधित प्रदेशसभाओं की घोषित चुनाव तिथि से दो माह पूर्व तक महासभा के संरक्षक/सम्पोषक/ विशेष सम्पोषक/प्लेटिनम/स्वर्ण/ रजत/ महिला एवं पत्रिका रहित सदस्य होंगे।

चुनाव कार्यक्रम की विस्तृत सूचना, नियम व शर्ते तथा मतदान केन्द्रों की जानकारी चुनाव अधिकारी मण्डल द्वारा प्रसारित की जायेगी।

रविशंकर जांगिड
''प्रधान''
अ.भा.जां.ब्रा. महासभा दिल्ली

दिनांक 26.05.2019 :

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

त्रैमासिक बैठक की रिपोर्ट

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली की त्रैमासिक बैठक दिनांक 26 मई 2019 को अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर नरेला दिल्ली के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसको प्रारम्भ करते हुए महासभा के महामंत्री श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी ने महासभा प्रधान एवं बैठक के अध्यक्ष श्री रविशंकर शर्मा जी के साथ महासभा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी जिसमें सर्वश्री भंवरलाल कुलरिया मुख्य संरक्षक महासभा, लीलूराम शर्मा वरिष्ठ संरक्षक महासभा, अमराराम जांगिड- दुबई, प्रभुदयाल शर्मा- वाराणसी, रामपाल शर्मा- बैंगलोर, मीताराम जांगिड-मुम्बई, शंकरलाल जांगिड-कोषाध्यक्ष महासभा, कैलाशचन्द जांगिड-वि.ऐ.ट्रस्ट, रमेशचन्द सीधड-प्रवक्ता महासभा, गिरधारी लाल-कर्नाटक, श्रीगोपाल चोयल-कल्याण कोष महासभा, ईश्वर दत्त जांगडा-पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली, लखन शर्मा-राजस्थान, डॉ. शेरसिंह जांगडा-हरियाणा, प्रभुदयाल जांगिड-देवास मध्य प्रदेश, गिरधारी लाल जांगिड-कर्नाटक, विद्यासागर जांगिड-गुडगांव एवं लादूराम-दिल्ली आदि गणमान्य व्यक्तियों को ससम्मान मंचासीन कराते हुए बैठक का एजेण्डा पढ़कर सुनाआ। तथा बैठक के एजेण्डा अनुसार पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने हाथ उठाकर अनुमोदन किया। इसके बाद महासभा के सह कोषाध्यक्ष श्री सीए अनिल शर्मा जी ने आज के इस शताब्दी समारोह में समाज सेवियों द्वारा दान अनुदान रूपी धनराशि सहित महासभा के एक वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा विस्तरित रूप से बैठक के सामने रखते हुए बताया कि महासभा के खाते में 2 करोड़ रूपये की एफ.डी. एवं 33 लाख 27 हजार रूपये बैंक में जमा है। जिससे प्रस्तावित महासभा भवन मुण्डका हेतु खरीदे जा रहे दूसरे 450 वर्ग गज का प्लाट ई-रजिस्ट्री करा कर भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ कराया जा सकता है। महासभा के आय-व्यय के ब्यौरें पर श्री रमेश चन्द सीधड जी ने पूछा कि महासभा का ये कन्वेन्स चार्ट अर्थात आने जाने का खर्च किन लोगों पर होता है। इस पर श्री अनिल जी ने बताया कि ये खर्च केवल महासभा में कार्यरत कर्मचारियों पर होता है। महासभा का कोई भी पदाधिकारी एक पैसे का खर्च अपने मध्य नहीं होने देता।

तत्पश्चात् पत्रिका के वितरण पर चर्चा करते हुए तय किया कि पत्रिकाएं प्रदेशाध्यक्षों द्वारा वितरित करना संभव नहीं है। लेकिन महासभा की ओर से प्रत्येक प्रदेशाध्यक्ष को उनके प्रदेशों के सभी संरक्षक सदस्यों की लिस्ट भेजकर जांच कराई जाये कि कितने संरक्षक सदस्यों के पते बदल गये है या गलत है। और अगर ऐसा है तो गलत पतो को ठीक कराया जाये ताकि सभी सदस्यों तक पत्रिका पहुंच सके। पहचान पत्र की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए तय किया गया कि ये बात तो सही है कि महासभा द्वारा जारी पहचान पत्र केवल महासभा से सम्बन्धित चुनाव तक सीमित है इनका और कहीं कोई उपयोग नहीं होता लेकिन ये पहचान पत्र सामाजिक महत्व का विषय है। जो सदस्यों के आर्कषण का केन्द्र बना हुआ है। इसलिए पहचान पत्र बनते रहने चाहिए भले ही ये आनलाईन बनाये जाये।

प्रदेशाध्यक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए तय किया गया कि प्रत्येक प्रदेशाध्यक्षकों को अपनी प्रदेश रिपोर्ट लिखित रूप में प्रस्तुत करनी चाहिए। तय किया गया कि जिन प्रदेशो के प्रदेशाध्यक्षों का पंजीकरण रिन्यू नहीं हुआ वे जल्द से जल्द अपना रजिस्ट्रेशन का नवीनीकरण करवा लें। तथा जिन प्रदेशाध्यक्षों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। वहां चुनाव अधिसूचना जारी कर चुनाव प्रक्रिया शुरू करा दी जाये। जिनमें हरियाणा प्रदेशाध्यक्षक के अनुसार तय किया गया कि हरियाणा और दिल्ली में 3 नवम्बर 2019 को तथा कर्नाटक,

गुजरात, छतीसगढ और तमिलनाडू में 6 सितम्बर 2019 को चुनाव कराये जायेंगे।

महासभा भवन मुण्डका की रजिस्ट्री एवं निर्माण पर चर्चा करते हुए तय किया गया कि महासभा प्रधान श्री रविशंकर शर्मा जी जल्द से जल्द इस दूसरे 450 वर्ग गज के प्लाट की रजिस्ट्री करा लें ताकि महासभा भवन के निर्माण का कार्य प्रारम्भ कराया जा सके। तय किया कि निर्माण सीमिति प्रस्तावित भवन के तीन चार नक्शे तैयार करा कर उनमें से सबसे उपयोगी नक्शे के अनुसार निर्माण कार्य करायें।

तत्पश्चात महासभा प्रधान श्री रविशंकर शर्मा जी ने सभी प्रदेशाध्यक्षकों से अनुरोध किया कि वे ज्यादा से ज्यादा सहयोग पत्र लेकर उनके द्वारा समाज के लोगों से आर्थिक सहयोग सहयोग जुटायें ताकि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का अंशदान महासभा भवन के निर्माण जैसे पुण्य कार्य में खर्च हो सके। इसके साथ ही महासभा प्रधान जी ने आज के इस शताब्दी समारोह के आयोजन की भूरि-भूरि प्रंशसा करते हुए सभी उपस्थित समाज बंधुओं के साथ दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष श्री लादूराम जांगिड एवं उनकी पूरी टीम का खुले मन से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अंत में महामंत्री महोदय के द्वारा शांति पाठ के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

चन्द्रपाल भारद्वाज
महामंत्री महासभा

''मेधावी छात्र प्रोत्शाहल योजना''

समाज के सभी बन्धुओं को सूचित किया जाता है कि जांगिड वैलफेयर सोसाइटी (रजि0), जांगिड ब्राह्मण सत्संग भवन एवं विश्वकर्मा मंदिर, ब्लाक सी-1 , मैन वजीराबाद रोड़ यमुना विहार, दिल्ली-53 द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विश्वकर्मा दिवस 17 सितम्बर 2019 के अवसर पर उन सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों , जिन्होनें सन 2019 में बाहरवीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये है, को सम्मानित किया जायेगा।

अत: जांगिड समाज के सभी छात्र-छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से निवेदन है कि जिनके बच्चों ने सन्स 2019 में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करके बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है वे सभी अपना प्रार्थना पत्र निम्नलिखित विवरण सहित 5 अगस्त, 2019 तक संस्था मे पहुँचाने की कृपा करें। इसके बाद कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नही किया जायेगा।

उपरोक्त सम्मान पाने हेतु विद्यार्थी का कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है।

प्रार्थना पत्र का प्रारूप :

(1) छात्र/छात्रा का नाम ....

(2) पिता का नाम ....

(3) अपना पूरा पता पिन कोड तथा फोन न0 सहित ....

(4) बारहवीं परीक्षा की अंक तालिका की सत्य प्रतिलिपि

(5) छात्र के बैंक अकाऊण्ट नं0 का विवरण, दो पासपार्ट साईज के फोटो, जिनमें एक प्रार्थना पत्र के साथ चिपका हुआ तथा एक लिफाफे मे अलग हो, भेजा जायें।

विश्वकर्मा दिवस मनाने की तिथि अगले अंक मे प्रकाशित कर दी जायेगी।

ब्रह्मानन्द शर्मा प्रधान, जां.वै.सो.(रजि0) मो.- 09810407651

अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर का शताब्दी समारोह सम्पन्न

दिनांक 26.05.2019 रविवार को अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर, दिल्ली का शताब्दी समारोह विद्यालय प्रागण में प्रधान महासभा श्री रविशंकर जांगिड एवं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लादूराम जांगिड की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति पधारे उनमें श्री कैलाशजी बरनेला पूर्व प्रधान महासभा, श्री विद्यासागर जांगिड वरिष्ठ उप प्रधान महासभा, श्री गोपाल चोयल-अजमेर, श्री रमेशचन्द्र सीधड़-प्रवक्ता, श्री भंवर जी कुलरिया व श्री अमराराम जांगिड अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष-दुबई, श्री रामपाल जांगिड-भामाशाह बैंगलोर, श्री पूरणचन्द जी व श्री देबूराम जांगिड दिल्ली, श्री प्रभुदयाल जी-बनारस वाले आदि प्रमुख रहें। सभी को फूलमाला व पट्टा (पटका) भेंट कर के.डी. शर्मा ने मंचासीन करवाया। श्री चन्द्रपाल भारद्वाज-महामंत्री महासभा, को भी ससम्मान मंचासीन करवाने के पश्चात् सर्वप्रथम श्री कैलाशचन्द जी बरनेला, श्री भंवरजी कुलरिया व श्री अमराराम ने द्वीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इसके पश्चात् श्री के.डी.शर्मा-लीगल एडवाईजर महासभा ने मंच पर माईक सम्भाला तथा विश्वकर्मा भगवान का श्लोक उच्चारण करने के पश्चात् श्री चन्द्रपाल भारद्वाज ने विद्यालय की पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से लोगों को जानकारी दी तो लोगों ने तालियों से समर्थन किया। श्री भंवरजी कुलरिया व समाज के महानुभावों द्वारा झण्डारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसी दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सुन्दर नृत्यगान प्रस्तुत किया जिसका लोगों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। तदोपरांत श्री के.डी.शर्मा ने अपने सम्बोधन में महर्षि अंगिरा जी के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा शिक्षा के महत्व के बारे मे बताया तथा अवगत कराया कि अंगिरा जी के नाम पर ही इस विद्यालय का नाम है। इस विद्यालय को आज 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं यह समाज का आदर्श विद्यालय है तथा समाज का गर्व है। लोगों ने तालियों से अपनी खुशी प्रकट की। श्रीमती शकुन्तला प्रधानाध्यापिका ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद कर विद्यालय की प्रगति के बारे में सभा को अवगत कराया। उन्होंने विद्यालय को क्रमोन्नत करने हेतु तन,मन,धन से सहयोग करने हेतु लोगों से अनुरोध किया।

इसी दौरान दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री मनीष जी सिसोदिया, उनके साथ पं. नारायण दत्त विधायक नरेला व श्री शरद चौहान-विधायक बदरपुर भी थे उन सबको शॉल देकर व फूल गुलदस्ता भेंट कर ससम्मान मंचासीन करवाया। श्री मनीष जी के स्वागत में छात्र-छात्राओं द्वारा गायन प्रस्तुत किया गया जो अति सुन्दर व आकर्षक रहा। श्री रमेशचन्द सीधड़ ने विस्तार से विद्यालय के 100 वर्ष पर इतिहास पर प्रकाश डाला तथा शिक्षामंत्री जी को इसके भवन व 16 बीघे जमीन की जानकारी दी तथा बताया कि यह हमारे पूज्य बुजुर्गो की देन है जिन्होंने अपना जीवन समाज सेवा में व्यतीत किया।

श्री मनीष जी सिसोदिया शिक्षामंत्री दिल्ली सरकार ने समाज के लोगों के प्यार व सम्मान से प्रसन्न व नजर आए। उन्होंने अपने सम्बोधन में हमारे पूर्वजों की, जिन्होंने विद्यालय की स्थापना की थी, की प्रशंसा करते हुए इसे अति महत्वपूर्ण कार्य बताया तथा उन्हें समाज के प्रेरक जैसे शब्दों से सम्मानित किया। इसी क्रमें उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिक्षा मनुष्य को उन्नति पथ पर अग्रसर करती है तथा सभ्य बनाती है। सभ्य मनुष्य ही सभ्य समाज बनाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ही दिल्ली सरकार शिक्षा पर अधिक बजट खर्च कर रही है जो बजट का 26 प्रतिशत तक है। उन्होंने विद्यालय का स्तर 10+2 तक करने

हेतु पूरा सहयोग देने का वचन भी दिया। उन्होंने सहर्ष बताया कि इतना पुराना स्कूल कोई विरला ही है। श्री रमेश चन्द जी सीधड़ ने विद्यालय को उच्च कक्षाओं (10+2) तक क्रमोन्नत करने की एक विज्ञप्ति शिक्षामंत्री जी को सौंपी। श्री रमेश जी सीधड़ ने मुण्डका में भवन की जानकारी भी सभा को दी। श्रीमती कृष्णा शर्मा का स्वागत करने के पश्चात् समाज के पत्रकारों श्री प्रभुदयाल शर्मा सम्पादक-जा.ब्रा.पत्र, श्री मनोहर लाल शर्मा सह सम्पादक, श्री आर.पी.शर्मा सम्पादक- विश्वकर्मा टूडे, श्री हरिराम सम्पादक- द्वीप विश्वकर्मा, श्री जे.एस.जांगिड- सम्पादक दमण आदि को मोमेंटों व फूलमालाओं से सम्मान किया।

दिल्ली प्रदेश की सभी शाखा सभाओं की उपस्थिति सराहनीय रही। विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के अध्यक्ष श्री गंगादीन जी व उनकी कार्यकारिणी का सहयोग सराहनीय था।

अंत में प्रदेशअध्यक्ष दिल्ली श्री लादूराम जांगिड व उनकी कार्यकारिणी ने देश के कोने कोने से आए लोगों का स्वागत किया तथा दूर दूर से आए लोगों को आयोजन सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में नाश्ते का व्यवस्थित प्रबंध था तथा दोपहर को खाने की भी सुन्दर व्यवस्था की लोगों ने प्रशंसा की। सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया तथा सभा का समापन हर्षोल्लास वातावरण में सम्पन्न हुआ।

सह सम्पादक

''दिशाहीन युवाओं को सही दिशा दिखाना''

मानव एक सामाजिक प्राणी है युवा अवस्था उसके भविष्य की जिन्दगी के बारे में बताती है।जिस प्रकार पहले के बुजुर्ग की एक कहावत है ''पूत के पैर पालने में ही पता चल जाता है अर्थात् बालक के जन्म के बाद उसके हाव-भाव से अनुमान लगाया जाता है कि बालक सपूत होगा या कपूत।युवा अवस्था में बालक क्रियाकलाप प्रदर्शित करने पर ही मालूम हो जाता है कि यह बालक किस दिशा की ओर जा रहा है।

आज के युवाओं में सबसे पहले दिशाहीनता इस रूप में लक्षित होती है कि आज का अधिकांश युवा किसी नशे की लत में पड़ जाता है और अपनी जिन्दगी एवं परिवार की, अपने समाज की मान-मर्यादा को बदनाम कर रहा है। दूसरा यह है कि आज के युवाओं को काम वासना की इच्छाएं अधिक बढ़ गई है कि युवा इन विलासिता की वस्तुओं की पूर्ति करने के लिए अपराधिक गतिविधियों में लिप्त होता जा रहा है। इससे समाज एवं राष्ट्र की प्रगति एवं विकास में अवरोध होता जा रहा है। आज युवा अपना लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पाने के कारण दिशाहीन होता जा रहा है। इन दिशाहीन युवाओं को यदि समय रहते सही दिशा में नहीं मोडा गया तो पूरे समाज एवं राष्ट्र का पतन निश्चित है।

युवाओं को सबसे पहले नशे के प्रभाव से मुक्त करना होगा जिससे युवा पीढ़ी स्वस्थ एवं बुद्धिशील होगी। नशे से मुक्त युवा अपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख नहीं होगा। युवाओं को पूर्वजों के आदर्शो से अवगत कराना होगा। धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिलाना एवं अच्छा साहित्य पढ़ना होगा। आज के युवाओं में सबसे बड़ी दिशाहीनता की अवस्था रोजगार को लेकर होती है। इसके पीछे हमारा शैक्षणिक प्रबन्ध जिम्मेदार है। आज की शिक्षा केवल किताबी-ज्ञान मात्र है। युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करना व रोजगार परक शिक्षा को भी शिक्षा व्यवस्था में शामिल करना जो युवाओं को रोजगारोन्मुख बना सके। आज के युवाओं को सफल व्यक्तियों व महापुरूषों के जीवन चरित्रों से भी सीख लेकर सही मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति किसी कार्य में सच्चाई एवं ईमानदारी से लग जाये तो उसे सफलता अवश्य मिलती है चाहे वह देरी से ही मिले समाज को अच्छे कार्यो से आगे बढ़ाना तथा समाज बढ़ेगा तो देश स्वत: ही विकास के पथ पर अग्रसर हो जायेगा।

प्रेम नारायण शर्मा, टोंक फाटक, जयपुर

प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं भामाशाह- श्री रामपाल जी जांगिड

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के सम्माननीय भामाशाह एवं उद्योगपति श्री रामपाल जी जांगिड, बैंगलौर, मूल निवास- सोडवास गांव, अलवर, राजस्थान।

आप महासभा के सम्माननीय प्लेटिनम सदस्य है एवं वर्तमान महासभा कार्यकारिणी में दक्षिण भारत के ''प्रभारी'' पद पर कार्यरत है। साथ ही इस्कॉन मन्दिर के प्लेटिनम एवं श्री विश्वकर्मा मन्दिर बैंगलोर के आजीवन सदस्य एवं ट्रस्टी भी है। आपको कई संस्थानों द्वारा ''बेस्ट इन्टिरियर वर्क्स'' के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में आप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के इन्टिरियर क्षेत्र में बहुत बड़े उद्योगपति के रूप में स्थापित है। रॉयल इन्टिरियर, कृष्णा इन्टिरियर, आर.के.पॉइन्ट, कृष्णा रिटेल, एन.आर.रिटेल एवं आर.के. प्लाजा नाम व्यापारिक प्रतिष्ठानों की श्रृंखला को संचालित कर रहे है।

आपने बेसहारा बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से गोरधन पाठशाला, बहरोड़ का प्रबन्धन एवं संचालन प्रारम्भ किया जिसमें सम्पूर्ण सुविधाएं निशुल्क है। सोडावास में कन्या विद्यालय का निर्माण करवाया। शिक्षा के साथ ही आपने समाजोत्थान के लिए भी करोड़ो रूपयों का योगदान देकर एक भामाशाह के रूप में समाज सेवा में संलग्न है। सामूहिक विवाह सम्मेलनो, सामाजिक, धार्मिक स्थलों, विश्वकर्मा मन्दिरों, जांगिड छात्रावासों, सभागार, मुख्यद्वार, सार्वजनिक स्थानों में बस स्टेण्ड, धर्मशाला, प्याऊ निर्माण एवं संचालन के साथ ही चिकित्सा शिविर एवं मानव कल्याण हेतु दिल से दान करते रहे है। आप राज्य स्तरीय भामाशाह पुरस्कार से भी सम्मानित है।

दिनांक 20 अगस्त 2018 को अपने सुपौत्र के जन्मोत्सव पर प्रधान श्री रविशंकर जी के समक्ष ऐतिहासिक घोषणा कर पूरे भारत में उदाहरण प्रस्तुत किया है। समाज हित में 5 करोड़(पांच करोड़) रूपये के योगदान करने की घोषणा कर महान भामाशाह बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त किया है।

आदरणीय श्री रामपाल जी जांगिड ने सम्माननीय समाज बंधुओं एवं अपने परिवार के सदस्यों से गहन विचार-विमर्श कर घोषित पांच करोड़ रूपयों को निम्न प्रकार से समाज हितार्थ खर्च करने का निर्णय लिया है।

1.25 करोड़ (एक करोड़ पच्चीस लाख) रूपये अ.भा.जां.ब्रा.महासभा, दिल्ली के प्रस्तावित भवन की पूरी एक फ्लोर (मंजिल) निर्माण के लिए दान देने की घोषणा की है। महासभा प्रधान श्री रविशंकर जी जांगिड एवं पूर्व प्रधान एवं प्रस्तावित महासभा भवन चेयरमेन श्री कैलाश जी बरनेला ने सर्वाधिक योगदान के लिए श्री रामपाल जी जांगिड को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आभार व्यक्त किया।

शेष राशि 3.75 करोड़ (तीन करोड़ पिचहत्तर लाख) रूपये को एक संचालन समिति के माध्यम से मूल गांव सोडावास, अलवर में एक व्यावसायिक कॉम्पलेक्स तथा अतिथिगृह एवं सभागार का निर्माण करवाना है। उक्त व्यावसायिक कॉम्पलेक्स से प्राप्त वार्षिक आय को समाज के सर्वांगीण विकास हेतु व्यय करने की योजना निम्नानुसार है।

1. सर्व समाज कल्याण हितार्थ व्यय 2. अभाव ग्रस्त छात्र-छात्राओं, प्रतिभावन विद्यार्थियों, महिला कल्याण हेतु सहायता, आकस्मिक दुर्घटना में सहायता आदि आदि पर व्यय3. प्रतिवर्ष चिकित्सा शिविर(मेडिकल केम्प), रक्तदान शिविर का आयोजन करना। 4. बहरोड़ पाठशाला का उच्च स्तरीय विकास एवं संचालन करना। 5. कन्या पाठशाला सोडावास की समुचित सहायता करना। 6. मूल निवास सोडावास सार्वजनिक विकास हेतु आधारभूत सुविधाओं का प्रबंधन एवं आर्थिक योगदान करना। 7. अन्य जो भी संज्ञान में आये जन कल्याण के कार्य करना।

श्री रामपाल जी जांगिड के समर्पित समाज कल्याण, सेवा भावना एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली आपके उज्ज्वल भविष्य एवं मंगलमय स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं करते हुए हार्दिक बधाई एवं आभार व्यक्त करती है।

रमेशचन्द जांगिड 'सीदड़',

प्रवक्ता, अ.भा.जा.ब्रा.महासभा दिल्ली

"महिमा मण्डन मंत्र"

मनुष्य की मंशा रहती है कि मेरे नाम का गुणगान हो। मेरी कीर्ति की पताका चारों ओर फैले। संसार में ऐसे लाखों लोग मिल जावेंगे जिनकी यश की दुंदुभि बजा दीजिए बडे पोस्टरों पर उनके उद्घाटन समारोह का प्रचार प्रसार कर दीजिए, मंच पर उनसे उद्घाटन करा दीजिए, कई उपाधियों से विभूषित कर दीजिए, कैमरा मैनो से कई पोज खिचवा दीजिए, अखबारों में उनका नाम और फोटो खिचवा दीजिए इतने में वे फूला न समावेगें। इस बात पर अपने खजाने का द्वार खोल देंगे और लाखों करोडो का दान करने लिए तैयार हो जायेंगे।

इस मंत्र का उपयोग करने हेतु वाकचातुर्य और शब्द भण्डार की आवश्यकता होती है। चापलूसी की भाषा सीखनी होगी। अलंकारिक भाषा से सृजित कर अपनी भाषा को बोझिल बना दीजिए इतने में ही आप दूसरे के दिल को जीतने में सफल हो जायेंगे। एक कठोर दिल वाले श्रेष्ठी के पास एक शाला प्रबन्धक यह प्रस्ताव लेकर गया कि अमुक शाला में पंखों की आवश्यकता है इसलिए कृपा दृष्टि कीजिए। सेठ साहब का निष्ठुर हृदय नहीं पिघला। परन्तु प्रबन्धक ने उनकी मृतक पत्नी को धर्म परायणी, पतिव्रता, दयावती, दानों की हितेषी जैसे गुणो का गानकर प्रार्थना पत्र जब उनके कर कमलों में थमाया तो प्रार्थना पत्र को पढ़कर इतने द्रवित हुए कि उनके नयनों से अश्रुधारा बहने लगी सचमुच जैसे उनका दिल पिघल गया हो। पत्नी वियोग में रोते हुए अपनी धर्मपत्नी की स्मृति में पंखों का दान कर दिया।

महिमा मण्डन का क्षेत्र बड़ा विशाल है। यह मनुष्य तो क्या देवता तक को वशीभूत कर लेता है। कृपानिधान, दीनबन्धु, संकटमोचन बनाकर देव प्रतिमा के समक्ष लोग घण्टों इसलिए बैठे रहते हैं कि देव उन पर कृपा दृष्टि डालेंगे और उनकी मनोकामना पूर्ण करेंगे। कार्य सिद्धि होने पर लोग मन्दिरों का अभिवर्धन कर देते है। विभिन्न मेवा मिष्ठानों का भण्डारा कर देते हैं। देव को प्रसन्न करते हैं।

आइये तशरीफ लाइये। आपके दौलत खाने की तो क्या कहें यह तो राजा का महल है। मेरा गरीब खाना तो इसके समक्ष कुछ भी नहीं है। आपने जो तोहफा भेंट किया वह तो अनुपम है आदि लहज्जों का प्रयोग कर लोगो को रिझाते रहते है। अन्नदाता, साब, सर, राव साहब, राजाजी, दानवीर, पहलवानजी, दादा साहब, कलेक्टर साहब, थानेदार साहब, ठेकेदारजी, उस्तादजी, नेताजी, मिनिस्टर साहब आदि सैकड़ो नामों से विभूषित कर कुछ लोग उनकी गौरव गाथा गाते रहते हैं। अपना कार्य बनाते रहते हैं। राज तंत्र में कवि और चारण लोग राजा महाराजा, वीरों और उनके पुरखों की वीरता की कहानी का बखान कर उनको हमेशा युद्ध करने के लिए तैयार करते रहते थे। इस महिमा मण्डन से उनकी भुजाएँ फड़क उठती थी।

महिमा मण्डन और खण्डन एक दूसरे के विपरीत पहलू हैं किसी का एक बार महिमा मण्डन हो जाता है तो उसके श्रद्धालु और चाटुकार उसका महिमा खण्डन नहीं होने देते हैं। यदि उनका कोई महिमा खण्डन करते हैं तो फिर उनको चाहने वाले लोग शब्दों की कलई चढ़ाते रहते है। किसी चल बल वाले नेता अफसर का प्रश्रय लेकर उनका महिमा मण्डन कर चापलूस लोग शीघ्र ही अपनी पदोन्नति करा लेते है। इतना ही नहीं किसी स्वर्गवासी राजनेता, राजा, सेठ साहूकार को भी कई लोग कई दिनों तक इसलिए जिन्दा रखते हैं कि उनके महिमा मण्डन से उनको कुछ न कुछ मिलता रहता है। उनकी जयन्ती, निर्वाण तिथि बडे जोर तोर से मनाते हैं। इन दिनों निठल्ले कवि और साहित्यकारों की मांग बढ जाती है। क्योंकि उन दिवंगत नेता के जीवन की वृत कथा कविता, नाटक के माध्यम से रेडियो, टेलिविजन पर उद्घोषित और अभिनीत की जाती है। किसी महिमा मण्डन वाले पात्र, नेता को उसके शत्रु का महिमा खण्डन अच्छा लगता है। इस जन तंत्र में तो मण्डन और खण्डन की होड़ और प्रति स्पर्धा लगी रहती है। इस विवाद पर संसद में और विधान सभाओं में चप्पल, जूते और कुर्सिया फैंक दी जाती है। इस महिमा मण्डन ओर खण्डन से तो लोग चुनाव तक जीत जाते हैं। एक दल अपने किये गये समाजोपयोगी कार्यो का बखानकर इस मण्डन विधि से वरिष्ठ नेता को चमत्कृत

कर देते है। और कीर्ति के उत्ताल शिखर पर विराज मान कर देते है। परन्तु दूसरी ओर उसका विरोधी दल अपनी खण्डन विधि से उनको लुढ़काने में लग जाते हैं। एक परम मित्र और श्रद्धेय पुरूष का महिमा मण्डन बड़ा कर्ण प्रिय लगता है शत्रु और विद्रोही के महिमा खण्डन से आनन्द की अनुभूति होती है। इस महिमा मण्डन और खण्डन की दुनिया बडी विशाल है। संसार के साहित्य मण्डन और खण्डन से भरे पडे हैं। यदि इनको निकाल दिया जावे तो साहित्य में क्या बचेगा? कोई रस नहीं रहेगा और कोई आनन्द नहीं रहेगा। वह पंगु बनकर रह जावेगा। महिमा मण्डन और खण्डन में मानव की बुद्धि का चमत्कार है। मनुष्य को कीर्तिमान बनाना और मानव को बदनाम करने में भी मण्डन और खण्डन का चमत्कार है। किसी को बनाने के लिए उसके मनभावन पक्ष को टटोलिए और उसकी दुखती नस को टटोलकर उसके मालिस करिये वह अपना सारा दुखड़ा रो देगा और वह अपना हो जावेगा। सुख में भी शरीक होकर एकाकार हो जाइये। उसका महिमा मण्डन करिये। वह अपना हो जावेगा।

छाजूलाल जांगिड

सेवानिवृत व्याख्याता, नवलगढ़

मो.-9461661412

जांगिड ब्राह्मण महासभा तहसील इकाई चूरू(राजस्थान)

जांगिड ब्राह्मण महासभा तहसील इकाई चूरू की बैठक 15 मई 2019 के तहसील अध्यक्ष शंकरलाल धामू की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर सांयकाल 6 बजे आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न मुद्दों व संगठनात्मक विषयों पर विचार विमर्श कर निर्णय किये गयें।

बैठक में निर्णय लिया गया कि तहसील स्तार पर शहर व ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा सदस्य पंजीकृत करने का अभियान चलाया जावे। युवाओं को प्राथमिकता दी जावें।

समाज में शिक्षा का प्रचार-प्रसार कर शैक्षणिक स्तार को बढ़ाया जावें। समाज के जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरण व उनकी फीस तहसील इकाई के पदाधिकारियों एवम् सदस्यों द्वारा वहन की जाने पर सहमति बनी।

समाज में व्याप्त सामाजिक कुरितियों को जैसे दहेज, मृत्युभोज, नशामुक्ति, शादियों में अपव्यय कम करने, भ्रूणहत्या इत्यादि को कम करने के प्रयास किये जायेंगे।

राष्ट्रीय कार्यक्षेत्रों को मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण के लिये समाज आगे आकर काम करेंगे। माह मई में गर्मी से बचाने हेतु पक्षियों के लिये पानी हेतु कुण्डारे लगाये जावें। प्लास्टिक थैलियों के उपयोग को रोकने, वृक्षारोपण करने, जैविक खेती को प्रोत्साहन, स्वच्छता कार्यक्रम आदि पर विशेष बल दिया।

विभिन्न स्तार की वार्षिक परिक्षाओं में उच्च श्रेणी के अंक लाने वाले विद्यार्थिओं का सम्मान करने का निर्णय लिया गया।

समाज में भावनात्मक एकता, सहभागिता, नैतिकता व संस्कारित गुण को प्रोत्साहित करने पर मंथन किया गया।

बैठक में संरक्षक मोहन शर्मा जिला उपाध्यक्ष महावीर मीषण, हरिकिशन जांगिड, महावीर प्रसाद बरवाडिया, हंसराज धामू, केशरदेवी ढाढर, परमेश्वर लाल काकटिया, शंकर लाल काला, रामरत्न, संजय मीषण आदि उपस्थित थे।

शंकर लाल धामू अध्यक्ष तहसील सभा चूरू (राज.)

'जीवन में अष्टांग योग का महत्व'

योग' शब्द 'युज समाधौ' आत्मनेपदी दिवादिगणीय धातु में 'घं' प्रत्यय लगाने से निष्पन्न होता है। इस प्रकार 'योग' शब्द का अर्थ हुआ- समाधि अर्थात् चित्त वृत्तियों का निरोध। वैसे 'योग' शब्द 'युजिर योग' तथा 'युज संयमने' धातु से भी निष्पन्न होता है किन्तु तब इस स्थिति में योग शब्द का अर्थ क्रमशः योगफल, जोड़ तथा नियमन होगा।

पंतजलि ने योगदर्शन में, जो परिभाषा दी है 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः', चित्त की वृत्तियों के निरोध का नाम योग है। इस वाक्य के दो अर्थ हो सकते हैं: चित्तवृत्तियों के निरोध की अवस्था का नाम योग है या इस अवस्था को लाने के उपाय को योग कहते हैं।

महर्षि पतंजलि ने योग के आठ अंगों का वर्णन अपने ग्रंथ पातंजलयोग दर्शन में किया है।

यमनियमाशनप्राणायामप्रत्याहार
धारणाध्यानसमाधयो्सष्टावंगानि। (योगदर्शन 2/29)

यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि ये योग के आठ अंग हैं।

1 यम - -

अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः। (योगदर्शन 2/30)

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह इन पाँचों का नाम यम है।

1) किसी भी प्राणी मात्र को किसी प्रकार का लेश मात्र भी कष्ट न पहुंचाने का नाम अहिंसा हैं।

2) अंत:करण और इन्द्रियों द्वारा जैसा निश्चय किया हो, हित की भावना से, कपटरहित प्रिय शब्दों में वैसा का वैसा ही प्रकट करने का नाम सत्य है।

3) मन, वचन और शरीर द्वारा किसी के हक को न चुराना, न लेना, न छीनना अस्तेय है।

4) मन, इंद्रिय और शरीर द्वारा होने वाले काम विकार के सर्वदा अभाव का नाम ब्रह्मचर्य है।

5) शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध, आदि किसी भी तरह की भोग सामग्री का संग्रह न करना अपरिग्रह है।

इन पांचों यमों का सब जाति, देश व काल में पालन होने से एवं किसी भी निमित्त से इनके विपरीत हिंसादि दोषो के घटने से इनकी संज्ञा महाव्रत हो जाती है।

जातिदेशकालसमयानवच्छिन्नाः सार्वभौमा महाव्रतम। (योगदर्शन 2/31)

अर्थात् किसी देश, काल में, किसी भूत मात्र के साथ, किसी भी निमित्त से हिंसा, असत्य, चोरी, व्यभिचार आदि का आचरण न करना तथा परिग्रह आदि न रखना सार्वभौम महाव्रत है।

2 नियम - -

शौचसंतोषतपः स्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः। (योगदर्शन 2/ 32)

पवित्रता, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्राणिधान ये पांच नियम है।

1) पवित्रता दो प्रकार की होती है - बाहरी और भीतरी। जल मिट्टी से शरीर की, स्वार्थ त्याग से व्यवहार और आचरण की, न्यायोपार्जित द्रव्य से प्राप्त सात्विक पदार्थो के पवित्रता पूर्वक सेवन से आहार की, यह बाहरी पवित्रता है। अहंता, ममता, राग द्वेष, ईर्ष्या, भय और काम क्रोधादि भीतरी दुर्गुणों को त्यागने से भीतरी पवित्रता होती है।

2) सुख दुख, लाभ हानी, यश अपयश, सिद्धि असिद्धि, अनुकूलता प्रतिकूलता आदि के प्राप्त होने पर सर्वदा संतुष्ट प्रसन्न चित्त रहने का नाम संतोष है।

3) मन और इन्द्रियों के संयम रूप धर्म पालन करने के लिए कष्ट सहने का और तितिक्षा एवं व्रत आदि का नाम तप हैं।

4) कल्याण प्रद शास्त्रों का अध्ययन और ईष्ट देव के नाम का जप तथा स्तोत्र आदि पठन पाठन एवं गुणानुवाद करने का नाम स्वाध्याय है

5) ईश्वर की भक्ति अर्थात् मन, वचन और कर्म से ईश्वर के लिए, ईश्वर के अनुकूल ही चेष्टा करने का नाम ईश्वर प्राणिधान है।

3 आसन – –

स्थिरसुखमासनम् । (योगदर्शन 2/43)

सुखपूर्वक स्थिरता से लम्बे समय तक बैठने का नाम आसन है। आसन अनेकों प्रकार के होते हैं। उनमें से आत्म संयम चाहने वाले व्यक्ति के लिए सिद्धासन, पद्मासन और स्वस्तिकासन आदि बहुत उपयोगी माने गए हैं। जिस आसन से जो व्यक्ति सुखपूर्वक दीर्घकालतक बैठ सके, वही उसके लिए उत्तम आसन है।

शरीर की स्वभाविक चेष्टा के शिथिल करने पर अर्थात अनन्त परमात्मा में तन्मय होने पर आसन की सिद्धि होती है। आसनों की सिद्धि से शरीर पूर्ण रूप से संयत हो जाने पर शीतोष्णादि द्वन्द्व बाधा नहीं करते।

4 प्राणायाम – –

तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः ।(योगदर्शन 2/49)

अर्थात् श्वास और प्रश्वास की गति के अवरोध हो जाने का नाम प्राणायाम है। बाहरी वायु का अंदर प्रवेश करना श्वास है और अंदर की वायु का बाहर निकलना प्रश्वास है। इन दोनों के रुकने का नाम प्राणायाम है।

प्राणायाम से मनुष्य स्वस्थ एवं निरोगी रहकर दीर्घायु तथा मन और शक्तियों पर विजय प्राप्त कर सकता है। मन का प्राण से घनिष्ठ संबंध है। मन को रोकना अति कठिन है, पर प्राण के निरोध तथा वशीकरण से मन का निरोध एवं वशीकरण सुगम हो जाता है। प्राणायाम सब दोषो का नाशक है। जिस प्रकार अग्नि के संयोग से धातुओं का मल नष्ट हो जाते हैं उसी तरह प्राणायाम से इंद्रियों के समस्त दोष दूर हो जाते हैं। इसी तरह प्राणायाम शरीर के सभी प्रकार के दोषो को दूर कर के मन को एकाग्र करने में समर्थ होता है। प्राणायाम के लाभ बताते हुए योगदर्शन में कहा है कि 'ततः क्षीयते प्रकाशावरणम्' अर्थात् उस प्राणायाम के सिद्ध होने पर विवेक ज्ञान को आवृत करने वाले पाप और अज्ञान का क्षय हो जाता है।

5)प्रत्याहार – –

स्वविषयासम्प्रयोगे चित्तस्वरूपानुकार इवेन्द्रियाणां प्रत्याहारः। (योगदर्शन 2/54)

अर्थात् अपने अपने विषयों के संग से रहित होने पर, इंद्रियों का चित्त के रूप में अवस्थित हो जाना प्रत्याहार कहलाता है। प्रत्याहार के सिद्ध होने पर प्रत्याहार के समय साधकों को बाह्य ज्ञान नहीं रहता। व्यवहार के समय बाह्य ज्ञान होता है। क्योंकि व्यवहार के समय साधक शरीर यात्रा के कारण से प्रत्याहार को काम में नहीं लाता। अन्य किसी साधन से यदि मन का निरोध हो जाता है, तो इंद्रियों का निरोध रूप प्रत्याहार अपने आप ही उसके अन्तर्गत आ जाता है।

ततः परमा वश्यतेन्द्रियाणाम। (योगदर्शन 2/55)

उस प्रत्याहार से इंद्रियां अत्यंत वश में हो जाती है यानी कि इंद्रियों पर पूर्ण अधिकार प्राप्त हो जाता है।

6 धारणा – –

योग के आठ अंगों में उपर के पांच बहिरंग साधन होते है। शेष तीन अन्तरंग साधन होते है इनमें धारणा प्रथम है, क्योंकि धारणा से ध्यान और समाधि होती है।

देशबन्धश्चित्तस्य धारणा। (योगदर्शन 3/1)

चित्त को किसी एक देश विशेष में स्थिर करने का नाम धारणा है। अर्थात स्थूल सुक्ष्म या बाह्य आभ्यन्तर, किसी एक ध्येय स्थान में चित्त को बाँध देना, स्थिर कर देना अर्थात लगा देना धारणा कहलाता है।

चित्तस्य निश्चलीभावो धारणा धारणं विदुः। अर्थात चित्त को एकदेश(स्थान) पर स्थिर रखना धारणा है।

7 ध्यान – –

तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्। (योगदर्शन 3/2)

धारणा के विषय में चित्तवृत्ति की एकतानता का नाम ध्यान है।

अर्थात् चित्तवृत्ति का गंगा के प्रवाह की भाँति या तैल की धारा के समान अविच्छिन्नरूप से निरंतर ध्येय वस्तु में ही अनवरत लगा रहना ध्यान कहलाता है।

धारणा और ध्यान में केवल यही अंतर है कि धारणा विच्छिन्न अर्थात् भिन्न भिन्न देश में होती है और ध्यान अविच्छिन्नरूप तैल धारा की भाँति होता है।

8 समाधि – –

तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव समाधिः। (योगदर्शन 3/3)

ध्यान जब ध्येय वस्तु के आकार में हो जाय और ध्यान तथा ध्याता दोनों न रहे तो उसे समाधि कहते हैं। अभ्यास से जब ध्यान, ध्याता और ध्येय ये तीनों एकाकार होकर ध्येय के रूप में प्रतीत होने लगें तो उस अवस्था का नाम समाधि है।

ध्यानस्य विस्मृतिः सम्यक्समाधिरभिधियते।

अर्थात् ध्यान की सम्यक् विस्मृति समाधि कहलाती है।इसीलिए कल्याण चाहने वाले पुरुषों को अपने इष्टदेव परमात्मा के स्वरूप में ही समाधि लगानी चाहिए। उपरोक्त योग के आठ अंगों के भली भांति अनुष्ठान से मल और आवरणादि दोषो के क्षय होने पर विवेकख्यातिपर्यन्त ज्ञान की दीप्ति होती है। (योगांगानुष्ठानादशुद्धिक्षये ज्ञानदीप्तिरा विवेकख्याते) और उस विवेकख्यातिपर्यन्त से अविद्या का नाश हो कर कैवल्य पद की प्राप्ति होती है यानी आत्म साक्षात्कार हो जाता है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत् ।

अनिल कुमार शर्मा अध्यापक

ग्राम पोस्ट –खोहर तहसील – बहरोड़

जिला–अलवर (राजस्थान)

Mob No 9588027845

''आवश्यक सूचना''

महासभा के सभी सदस्यो को सूचित किया जाता है कि महासभा के सविंधान की धारा 12(11) के अनुसार महासभा द्वारा प्रमाणित रसीद का प्रयोग ही प्रदेश, जिला, ब्लॉक, शाखाओं सभाओं द्वारा किया जायेगा। किसी भी संस्था को अपनी रसीदों द्वारा महासभा के नाम पर धन एकत्र करने का अधिकार नहीं होगा। महासभा के नाम पर अगर कोई संस्था अथवा व्यक्ति बिना महासभा की अनुमति के धन संग्रह करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाई करने का महासभा को अधिकार होगा।

अतः आप सभी से निवेदन किया जाता है कि इस प्रकार की किसी रसीद पर किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई चन्दा ना दें, जो रसीद अ.भा.जा.ब्रा.महासभा से प्रमाणित न हो।

धन्यवाद!

चन्द्रपाल भारद्वाज,

महामंत्री, महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
प्रदेश सभा मध्यप्रदेश की त्रैमासिक मीटिंग सूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, मध्यप्रदेश प्रदेशसभा की कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग रविवार, 4 अगस्त 2019 को प्रात: 10:30 बजे से **जलसा बैंक्वेट हॉल, बेस्ट प्राईज के सामने, बाईपास रोड़, इन्दौर में प्रदेशअध्यक्ष श्री प्रभूदयाल जी शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी।**

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के समस्त पदाधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदेश सभा के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य, मध्यप्रदेश के सभी जिला अध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्षों से निवेदन किया जाता है कि मीटिंग में आपकी उपस्थिति अनिवार्य रूप से अपेक्षित है। कृपया समय पर पधारकर अपने बहुमूल्य विचारों एवं सुझावों से अवगत कराकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में अपना सहयोग दें।

प्रदेश सभा मध्यप्रदेश की मीटिंग के विचारणीय विषय निम्नानुसार होंगे :-

1. सेंधवा में सम्पन्न गत मीटिंग में लिये गये निर्णयों का अनुमोदन।
2. जिला-सभा इन्दौर के नव-निर्वाचित अध्यक्ष पद श्री मातादीन शर्मा का शपथ ग्रहण एवं अन्य नव-निर्वाचित जिला अध्यक्षों का सम्मान एवं उद्‌बोधन
3. जिला सभाओं की प्रगति रिपोर्ट।
4. मध्यप्रदेश की जांगिड ब्राह्मण समाज की विधानसभा अनुसार जनगणना पर विचार-विमर्श।
5. मध्यप्रदेश की पिछड़ा वर्ग सूची में, जांगिड जाति को शामिल करने हेतु विचार-विमर्श कर समिति का गठन करना।
6. निर्वाचन अधिकारीगण का सम्मान।
7. वर्ष 2019 पी.,एम.टी., आई-आई-टी में चयनित एवं सेंकेण्डरी, हायर सेकेण्डरी परीक्षा में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान।
8. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

विशेष : प्रतिभा सम्मान समारोह के लिये आवेदक वर्ष 2019 की अंक तालिका एवं अपना निवास प्रमाण पत्र दिनांक 10/7/2019 तक प्रदेश कार्यालय 1/ ए लक्ष्मण नगर, कोर्ट के सामने, ए.बी.रोड़, देवास, मध्यप्रदेश अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

सम्पर्क सूत्र

1. श्री रतन लाड़वा, मो.- 9425315070
2. श्री ललित बिराणिया -मो- 9425059784
3. श्री मातादीन जी बरनेला - मो- 7746011025

शिवनारायण शर्मा, महामंत्री
प्रदेश सभा- म.प्र. मो- 999339605

शाखा सभा ओल्ड फरीदाबाद
का तृतीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न

दिनांक 2 जून 2019, रविवार को शाखासभा ओल्ड फरीदाबाद का तृतीय वार्षिकोत्सव सेक्टर 29 कम्यूनिटी सैन्टर में श्री रतनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस के मुख्य अतिथि श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड प्रसिद्ध उद्योगपति, गुड़गांव रहे। सर्वप्रथम प्रमुख अतिथियों को ससम्मान मंचासीन करवाया। जिसमें श्री राजकपूर शर्मा दिल्ली, श्री मनोहर लाल शर्मा सह-सम्पादक-महासभा, श्री पुष्पा शर्मा अध्यक्ष महिला, श्री रामकिशन केशवानियां श्री रणवीर पहलवान-गुड़गांव आदि का सम्मान जिलाध्यक्ष श्री हनुमान प्रसाद शर्मा ने किया। श्री टेकचन्द शर्मा ने मंच संचालन का कार्य सुचारू रूप से किया। इसके पश्चात अंगिरस भारती विद्यालय के बच्चों ने सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। सभी ने इनको सराहा। फरीदाबाद नूंह व गुड़गांव से काफी गणमान्य व्यक्ति ने उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। श्री कृष्णपाल गुर्जर मंत्री भारत सरकार की उपस्थिति भी सराहनीय रही। शाखा अध्यक्ष श्री कैलाश चंद जांगिड, श्री हनुमान प्रसाद (महासचिव), श्री अमरचन्द वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री रामप्रकाश जांगिड कोषाध्यक्ष व इनकी टीम ने बड़ा सुन्दर व सुव्यवस्थित आयोजन कर रखा था। जिसकी सभी ने सराहना की। प्रमुख लोगों ने अपने विचारों से लोगों को एकता व संगठन बनाए रखने पर जोर दिया। अंगिरस भारती विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सुन्दर नृत्य व गायन प्रस्तुत कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। बाहर से आए सभी गणमान्य व्यक्तियों को मूंमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। श्री दिनेश जांगिड ने सुन्दर भण्डारे का आयोजन किया।

अंत में स्वादिष्ट सुरूची भोजन का आनन्द लिया। सभी लोगों ने इस आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा और कार्यक्रम का समापन हुआ।

सह सम्पादक

''शिल्पाचार्य- मण्डन और उनके वंशजों की महत्वपूर्ण , एवं शिल्पशास्त्रीय एवं शिल्प स्थापत्य परम्परा''

प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला प्रमुख रूप से तीन भागों में विभाजित है-नागदा, द्रविड़ और जो पूजा वास्तु से सम्बन्धित है। उत्तर भारत में नागद शैली का उदय विश्वकर्मा द्वारा माना जाता है। ब्रह्मा ने जिस प्रकार विश्व निर्माण के विचारणीय पक्ष को महत्व दिया वही विश्वकर्मा ने उसे सही आकार, सम्पूर्णता एवं सुन्दरतम स्वरूप प्रदान किया जो एक कुशल शिल्प शास्त्री ही कर सकता है। इस महत्वपूर्ण, कार्य को विश्वकर्मा द्वारा पूर्ण करने के कारण इन्हें देवलोक मे ''शिल्पाचार्य'' की उपाधि से अलंकृत किया गया।

मत्स्य पुराण के अनुसार विश्वकर्मा आठ वासुओं में से प्रभास के पुत्र थे। सभी कला कौशल में प्रवीण थे। विश्वकर्मा का सम्बन्ध ऋषि भ्रगु से उनके मातृ पक्ष से था। यह परिवार भी शिल्प कला में परपंरागत था अत: माता और पिता दोनों ही पक्षों से विश्वकर्मा को शिल्प-स्थापत्य कला विरासत में मिली। विश्वकर्मा ने अनेकों निर्माण कार्यो के साथ ग्रन्थों की रचना भी की और यही परम्परा भारतवर्ष में लम्बे समय तक शिल्प-स्थापत्य एवं शास्त्र रचना के दायित्वों का निर्वाह करती रही। इसी संदर्भ में विश्वकर्मा के वंशजों में ऋषि भारद्वाज और उनके पश्चात शिल्प स्थापत्य और चित्रकला सम्बन्धी उत्कृष्ट देन की दृष्टि से गुजरात के पाटन में सोमपुरा परिवार का उच्च स्थान माना गया है। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का निर्माण प्रभास पट्टन क्षैत्र के सोमपुरा शिल्पियों द्वार किया गया। महाराणा मोकल (742-433 ई.) के समय यह सोमुपरा परिवार मेवाड़ में बुलाया गया जहाँ इन्हें ''सूत्रधार-- से सम्बोधित किया गया।

कीर्तिस्तम्भ चितौडगढ़ (उदयपुर)

शिल्पाचार्य मण्डन का सम्बन्ध भी सोमपुरा परिवार से है। सूत्रधार मण्डन के पिता खेताजी थे। खेताजी के दादा मेवाड़ में आमंत्रित किये गये जो सोमपुरा भंगोरा जाति व भारद्वाज गोत्रीय थे। शिल्पाचार्य मण्डन महाराणा कुंभा के समकालीन थे, उन्होंने ही मण्डन को कुंभलगढ़ का प्रारूप तैयार करने व निर्माण करने हेतु प्रमुख स्थापित के रूप में नियुक्त किया, साथ ही एकलिंग जी के शिव मंदिर के जीर्णोद्धार का

कार्य किया। शिल्पाचार्य मण्डन- को शिल्प स्थापत्य , मूर्तिकला, चित्रकला एवं सृजल कला में महारात हासिल थी। उन्होंने निर्माण से सम्बन्धित अनेकों शास्त्रों की रचना की।

किसी भी शिल्पी के पास यही एक खजाना है जो पिता अपने पुत्र को देता है। यही कथन मण्डन और उसके परिवार पर भी लागू होता है क्योंकि मण्डन के पश्चात उनके छोटे भ्राता सूत्रधार नाथाजी व उनके ज्येष्ठ पुत्र गोविन्द ने भी अनेकों ग्रन्थों की रचना की। गोविन्द महाराणा कुंभकर्ण के पुत्र राणा रायमल के प्रमुख स्थपित थे। यह परम्परा निर्बाध रूप से चलती रही एवं परिवार के सदस्य प्रधान स्थपति, अधिकारी एवं ''गजधर'' की उपाधियों से निरंतर सुशोभित होते रहे हैं।

भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर(उदयपुर)

इस प्रकार खेताजी और उनके वंशेजों को मेवाड़ राज्य की ओर से विशेष सम्मान निरंतर प्राप्त होते रहे और महाराणा ने इन शिल्पियों को सम्मान एवं जागीर देते हुऐ मेवाड़ का स्थायी निवासी बना लिया। इनकी अधिंकाश देन वस्तुत: राष्ट्रीय महत्व की है जिसकी ओर अध्यावधि कला-कोविदों और अध्येताओं का ध्यान आकर्षित नहीं छुआ हैं। शास्त्र रचना के साथ शास्त्रों के अनुरूप स्थापत्य निर्माण कार्य करना एवं अभूतपूर्व कार्य है। जिसका निर्वाह उक्त परिवार द्वारा किया गया और एक ऐसी पंरपरा की नींव रखी जिस पर आज अनेको विश्व प्रसिद्ध इमारतें कला कौशल के अनुपम उदाहरण है।

मण्डन और उसके परिवार का कार्य क्षैत्र बहुत ही विस्तृत रहा है जिसमें प्रासाद निर्माण, मूर्ति निर्माण, वास्तुज्योतिष विद्या, वास्तु पूजन विधि, यज्ञ विधि, जन्म कुण्डली, कालचक्र, गणितमाला, वास्तुपूजा, सर्वसिद्ध गुटिका कवच आदि सहस्त्रों पक्षों को अपनी लेखनी का आधार बनाया। मण्डन द्वारा उचित शास्त्रो में देवतामूर्ति प्रकरण, प्रासाद मण्डन, राजवल्लभ, रूप मण्डन वास्तु मण्डन, वास्तु शास्त्र, वास्तु सार एवं आयतत्व प्रमुख है। मण्डन के भ्राता द्वारा लिखित वास्तु मज्जरी तथा- पुत्र गोविन्द ने अध्याधोरणी, कला निधि एवं द्वारदीपिका की रचना की। इनके अतिरिक्त उनके वंशर्जो द्वारा भी परम्पंरगत रूप से शास्त्र निर्माण कला के उदाहरण तथा स्थान प्रस्तुत करने का हम (शोधार्थीयों) का प्रयत्न रहेगा।

इन सभी कार्यो को एक, शोध ग्रन्थ में समाहित करना कठिन ही नहीं अपितु अंसभव है।

अत: मात्र स्थापत्य एवं शास्त्र रचना पर अध्ययन को ही कार्यक्षेत्र के रूप में चुना है शैक्षणिक दृष्टि से इस शोध की उपादेयता प्राचीन शास्त्र निर्माण के अनुरूप स्थापत्य निर्माण कला जो प्राचीन समय से महान शिल्पियों के कर कमलों द्वारा पुष्पित व पल्लवित हुई इस पर चिंतन करना एवं वर्तमान में पुन: उसे नवजीवन प्रदान करना हमारे शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य है।इसी उद्देश्य की पूर्णाहूति हेतु हमने इस विषय का चयन किया है।

सौभाग्य से हम इस परिवार के वंशज है, अत: इस क्षेत्र में कार्य करना एवं उस स्वर्णिम कला धरोहर को प्रकाश में लाने में अपना दायित्व समझते हैं। इस कार्य हेतु यथेष्ट सामग्री हमारे परिवार में उपलब्ध व सुरक्षित है। अनेकों कठिनाई, के पश्चात भी इस महत्वपूर्ण, सामग्री को सुरक्षित रखने में योगदान देने वाले सभी पूर्वजों को श्रद्धा सुमन अर्पित एवं शत शत नमन करते है। कीर्ति स्तम्भ चित्तौडगढ़ की महिमा के पाँच प्रमुख बिन्दु ये है।

कीर्ति स्तम्भ चित्तौडगढ़ में इतनी अधिक संख्या में विविध प्रकार की मूर्तियाँ उत्कीर्ण है कि कला समीक्षकों व प्रबुद्ध विद्धानों ने इसकी प्रंशसा में अपने विचार इस प्रकार व्यक्त किये हैं।

1. कीर्ति स्तम्भ हिन्दू देवी देवताओं से सजाया हुआ एक व्यवस्थित संग्रहालय है।

2. पं.गौरीशंकर हीराचन्द ओझा ने इसे पौराणिक देवताओं के अमूल्य कोष की संज्ञा दी है।

3. यह भारतीय दर्शन, धर्म, चिन्तन एवं स्थापत्य तथा मूर्तिकला का समेकित प्रतीक हैं।

4. यह जीवन के व्यवहारिक पक्ष को व्यक्त करने वाला लोकजीवन का रंगमंच हैं।

5. यह रोम के ट्राजन की तुलना में कलात्मक स्थापत्य निर्माण रूचि की दृष्टि से कई गुना श्रेष्ठ हैं।

6. कीर्ति स्तम्भ समग्र रूप से शिल्प स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट नमूना है महाराणा कुम्भा ने मया और अपराजित विश्वकर्मा के पुत्रों के मतानुसार कीर्ति स्तम्भों की रचना का एक ग्रंथ बनाया हैं।

वस्तुत: कीर्ति स्तम्भ समग्र रूप में शिल्पाचार्य मण्डन परिवार की कीर्ति व महिमा को मण्डित करने-वाला अनुपम स्मारक व तत्कालीन समाज का दर्पण हैं। **सुभाष भारद्धाज, 99,नन्दविला, सेक्टर-11, हिरण मगरी, नंदसोहन फाउन्डेशन, उदयपुर-राज.**

''सफलता के लिए संकल्प शक्ति जरूरी है''

हम केवल सदियों पुराना इतिहास नहीं दुहराएं, स्वयं नया इतिहास भी रचे।हमें कोई औरों के नाम से न पहचाने, हम अपने संकल्प एवं कर्म से स्वयं को नई पहचान दें। खुद नये पद चिन्ह स्थापित करें।हर कोई स्वयं का नया भविष्य गढ़ सकता है जिसके इर्द-गिर्द सोच की मौलिक दिशाएं उद्घटित होती है।इन दिशाओं के उद्घाटन के लिए संकल्प हमारी बहुत बड़ी शक्ति है और इसके द्वारा बहुत बड़ा परिवर्तन हो सकता है। शास्त्रों मे तीन प्रकार की शक्तियों का उल्लेख किया जाता है-इच्छा शक्ति, संकल्प शक्ति और एकाग्रत की शक्ति।ये तीन शक्तियां कम या ज्यादा मात्रा में हर व्यक्ति के पास होती है।कोई भी इन तीन शक्तियों से हीन नहीं है।लेकिन सवाल इन्हे जागृत करने का है।संकल्प शक्ति जिसने जगा ली, सचमुच वह अजय बन सकता है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को जागृत करने के लिए संकल्प ही बड़ा आधार है।संकल्प सो गया तो राष्ट्र भी सोया रह जाता है।इसलिए संकल्प की दृढ़ता का प्रयोग सफल एवं सार्थक जीवन के लिए नितान्त अपेक्षित है।

कुछ लोग संकल्प लेने से घबराते है। उन्हें यह ज्ञान ही नहीं संकल्प के बिना किसी का विकास नहीं हो सकता। उपनिषेद में कहा गया है- संकल्पना सृष्टि:। कोई भी सृष्टि हुई है, नया निर्माण हुआ है तो संकल्प के द्वारा ही हुआ है। आप नया मकान बनवाते है, नई फैक्ट्री लगाते है तो इसके पीछे आपका दीर्घकालिक चिंतन होता है। चिंतन के बाद उसके लिए संकल्पित होते है, तब कहीं जांकर वह संकल्प यथार्थ का आकार लेता है। जिसके मस्तिष्क में कल्पना नहीं, वह मंजिल को नही पा सकता। श्रम, संकल्प और सफलता- इन तीनों की एक युक्ति है। श्रम हो और संकल्प हो तो सफलता सुनिश्चित हो जाती है। इसमें प्रोत्साहन का भी बड़ा योग होता है। दूसरों के द्वारा विशेषकर मार्गदर्शक की ओर से अगर प्रोत्साहन न मिले तो संकल्प के प्रति रूचि यथावत नहीं रह पाती और सफलता भी संदिग्ध हो जाती है। संकल्प करने वाले का उचित पुरूषार्थ नहीं है तो उसमें मंदता आ जाती है। पुरूषार्थ हो और विवेकपूर्ण पुरूषार्थ हो तो संकल्प फलवान बनता है। लेकिन यह जानना जरूरी है कि संकल्प प्रारम्भ में गीली मिट्टी का लोदा होता है। उससे घड़ा बनाकर तुरन्त उसमें पानी नहीं भरा जा सकता। पानी तभी उसमें टिकेगा, जब घड़ा आंच में पक जायेगा। जीवन की कठिन परिस्थितयां उस आंच का काम करती है जिसमें पक कर घड़ा पानी को धारण करने और उसे शीतल करने की क्षमता रखता है। हमें जीवन को अनूठा एवं विलक्षण बनाने के लिए हमें शस्त्र नहीं, हमें संकल्प चाहिए। इसी से चिंतन, निर्णय और कार्यान्वय की प्रक्रिया में दूरियां मिटेगी और शांति का उजाला होगा। इसलिए संकल्प शक्ति का होना आवश्यक है। **रामगोपाल जांगिड, दौसा, राज.**

तहसील निवाई की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

प्रदेश सभा राजस्थान के टोंक जिले के निवाई तहसील अध्यक्ष की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्री विश्वकर्मा मंदिर निवाई में हुआ।

जिसमें प्रदेशाध्यक्ष श्री लखन लाल जांगिड़ ने कहा कि एकजुटता से ही समाज की उन्नति संभव है। सभी समाज बंधु एकजुट होकर समाज को आगे बढ़ाएं। उन्होंने समाज में कुरीतियों के उन्मूलन एवं बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष श्री बाबूलाल जांगिड़ ने सभी तहसील अध्यक्षों को समाज की जनगणना करने को कहा।

जिसमें अध्यक्ष नारायणलाल बिडोली, कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश पूर्व सरपंच भावता, कोषाध्यक्ष किशन टापुर, सह कोषाध्यक्ष घनश्याम बांसड़ा, महामंत्री ओमप्रकाश सेदरिया, मंत्री देवेंद्र बड़ा गांव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामअवतार मुंडिया, रमेश मित्रपुरा, उपाध्यक्ष रमेश सीदड़ा, कन्हैयालाल भूरटीया, शिवजीराम रजवास, सुरेश सिरोही, शंकर झिलाय, रामविलास चैनपुरा, मदन बिडोली, संगठन मंत्री गिरिराज दतवास, ओम प्रकाश सिरोही, हनुमान सुरया, सीताराम सूरजपुरा, श्रवण भरथल, कैलाश गुंसी, ताराचंद भांवती, ब्रजराज सीदड़ा, रामबाबू राणोली, प्रचार मंत्री शंकर खंडवा, शिवदयाल खंडवा, शंकर मुंडिया, रामावतार जामडोली, रामजीलाल नयागांव, सलाहकार राधेश्याम बहरोड, सूरज वनस्थली, रामप्रसाद हनुतिया, कालू बांसड़ा, राधेश्याम हरभगतपुरा, प्रवक्ता मनीष बहकवा, शंकर सेदरिया, तहसील प्रभारी दिनेश कुंडा वाले, नारायण भूरटिया, राधेश्याम ललवाड़ी, रतन डांगरथल, संयोजक प्रहलाद दतवास, मोहनलाल कारपेंटर, राजाराम, मोहन, जगदीश हिंडोन, महेंद्र बांसड़ा, मुकेश बिडोली, संरक्षक सत्यनारायण बिडोली, प्रहलाद सेदरिया, श्रवण भड़ंगपुरा, सीताराम, हरसहाय सुनारा, कैलाश हिंगोटिया, गोपाल किवाड़ा, रामस्वरूप सिरोही, मोहन चैनपुरा, नंदराम दहलोद हनुमान बहड़ को मनोनीत किया गया।नवगठित कार्यकारिणी को प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान लखनलाल जांगिड़ व चुनाव अधिकारी सुरेश पीलवाल, प्रदेश सभा कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान प्रसाद कोलाया, डिग्गी सम्मलेन अध्यक्ष पप्पूलाल जोलानिया देशमा, बाबूलाल जांगिड़ करेड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष भैरु लाल जांगिड़, टोंक जांगिड़ युवा शक्ति जिला अध्यक्ष बद्री लाल जांगिड़ बिडोली, विश्वकर्मा जांगिड़ नवयुवा मंच पीपलू तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार जांगिड़, मालपुरा तहसील अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जांगिड़ लावा, टोंक तहसील अध्यक्ष महेन्द्र, देवली तहसील अध्यक्ष राकेश पनवाड़, उनियारा तहसील अध्यक्ष राकेश कुमार, दूनी तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार, निवाई तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार जांगिड़ ,टोडारायसिंह तहसील अध्यक्ष कमलेश कुमार जांगिड़ बरवास, महासभा अध्यक्ष पीपलू गोपाल जांगिड़, निवाई नारायण जांगिड़, टोंक महेश भरनी, दूनी तहसील अध्यक्ष परमेश्वर जांगिड़ देवड़ावास, उनियारा रामधन, पूर्व युवा जिला अध्यक्ष सियाराम जांगिड़ कुरथल, अखिल भारतीय जांगिड़ कमचारी अध्यक्ष राजाराम जांगिड़, उनियारा मन्दिर अध्यक्ष रमेश जांगिड़ महासभा सरंक्षक आदि समाज बन्धु मौजूद थे।

प्रदेश सभा भवन निर्माण के लिए श्री नारायण जांगिड़ तहसील अध्यक्ष निवाई ने 11 हजार, विश्वकर्मा जांगिड़ नवयुवा मंच टोंक जिला अध्यक्ष बद्रीलाल जांगिड़ बिड़ोली व टोंक जिले की सभी तहसील युवा अध्यक्ष ने सामूहिक 21 हजार का सहयोग दिया।

शपथ ग्रहण समारोह का समापन नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा समाज बंधुओं को सामूहिक जीमण करवाए जाने पर हुआ।

श्री कृष्ण कुमार जांगिड़
पत्रकार पीपलू जिला टोंक
मोबाइल नंबर 9950938072

''जांगिड ब्राह्मण समाज की व्यथा''

विश्वकर्मा वंश के लोगों के लिए यह मान व प्रतिष्ठा `की बात है कि आज हमारे शीर्षस्थ संगठन(महासभा) को बने हुए 112 वर्ष का समय हो चुका है। यद्यपि हमारे पूर्वजों ने विश्वकर्मा मन्दिर नई दिल्ली स्टेशन पहाड़गंज स्थित को तो सभा के गठन से भी तीस वर्ष पूर्व बना दिया था। अपने समाज के प्रारम्भिक संस्थापक महापुरूषों की आशावादी सोच आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करने का एक प्रेरणामयी प्रकाश स्तंभ बन गई। समाज को एक लड़ी में पिरोने का, विभिन्न शासन व गौत्र की खोज करने का, शिल्प समाज को शासकीय एवं न्यायिक स्तर पर ब्राह्मत्व का अधिकार प्रदान कराने का, एक ऐतिहासिक संघर्ष रह। उन संस्थापक सदस्यों में कितनी सूझबूझ और समाज के लिए कुछ नया करने की कितनी तड़प थी आज हम कल्पना भी नहीं कर सकते। श्री गुरूदेव जयकृष्ण जी मणीठिया जो इस समाज के आराध्य देव समझे जाते हैं मै भविष्य की योजनाओं का खाका था। उनके विचार अनेक कल्पनाओं से ओतप्रोत थे। वे हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के उच्चकोटि के विद्वान थे। कहां कहां से किन किन परिस्थितियों से झूझकर उन्होनें विश्वकर्मा वंश के साहित्य को संग्रहित किया। अनेक ग्रन्थों का दोहन कर उनमें से विश्वकर्मा वंश से सम्बन्धित सामग्री को संकलित करना सहज कार्य नहीं था। उन्होंने लम्बे समय तक सतत् प्रयास करके 1946 में 1444 शासन एवं 18 गोत्र युक्त जांगिड ब्राह्मण गोत्रावली का प्रकाशन किया। यह कोई सरल कार्य नहीं था। उन्होंने समाज हित अनके संगठनात्मक कार्य किये। उनकी आत्मा सच्ची एवं बलवान थी। ईश्वर में उनका अटूट विश्वास था। ईश्वर ने उनकी सहायता की। यदि आज भी कोई शख्स ईश्वर में विश्वास रखकर समाज हित कोई पुण्य का कार्य करता है उसे सफलता मिलती है। गुरूजी ने राष्ट्रीय स्तर पर इस समाज का मान बढ़ाया इसलिए वे महापुरूष सदैव आदरणीय रहेंगे।

आज से 10-15 वर्ष पूर्व महासभा के विषय में बहुत कम लोगों का ज्ञान था। शहरों तक ही कुछ एक व्यक्ति महासभा के सदस्य थे। 2007 में महासभा का शताब्दी पर्व अनेक स्थानों पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बड़े हर्ष एवं उल्लास से विशेष अभियान के रूप में मनाये गये पर्वो ने महासभा में नये प्राण फूंक दिये। अब महासभा दूर दराज के गांवों एंव ढाणियों तक पहुंच गई और बड़ी भारी संख्या में इसके संरक्षक सदस्य बनने लगे। पूर्व में बने तीन हजार संरक्षकों से बढ़कर आज 60 हजार के लगभग संरक्षक सदस्य बन चुके है। इससे समाज में जागृति दिखाई देती है। शताब्दी से पूर्व महासभा का चुनाव भी किसी एक विशेष चयनित स्थान पर किसी विशेष एक सदस्य द्वारा जलसे (उत्सव) का समस्त खर्च वहन करने वाले को ही सर्वसम्मति से बना कर किया जाता रहा। तब लोगों में महत्वाकांशा नहीं थी। उन सबकी आस्था एवं श्रद्धा प्रधान के प्रति होती थी। उस समय के प्रधान समाज हित में काम करने वाले दूर दराज के सामाजिक सेवकों को ही अपनी कार्यकारिणी में लेते थे। भाई भतीजावाद व रिश्तेदारी से उन्हें कोई लगाव नहीं था। जहां उनसे कार्य नहीं हो पाया समाज हित पद त्याग दिया या कार्यकारी अध्यक्ष बनकर सबके सहयोग से समाज हित समाज भलाई के लिए कार्य किया। 1980 के दशक में श्री आनन्द स्वरूप जी भारद्वाज ने समस्त भारतवर्ष के शिल्प कर्मियों की एक निदेशिका छपवाकर महासभा के इतिहास में नया प्रकाशस्तंभ बनाया। अनेक नवीन जानकारी देकर शासन एवं गोत्रावली को जन-जन तक पहुंचाने का भागीरथ कार्य किया।उन्होंने अंगिरा प्रकाशन से और भी कई पुस्तकों को प्रकाशित किया तो जांगिड समाज की अनेक नवीन जानकारियों से युक्त है।

कोई भी समाजहित या उत्थान हेतु रचनात्मक कार्य किसी द्वारा नहीं किया गया। उस समय जमीनों के भाव सस्ते थे परन्तु किसी भी अध्यक्ष ने उस 80 वर्गगज के कार्यालय से बाहर निकलकर कहीं कोई आसपास या थोडा दूर कोई बड़ा प्लाट लेकर भवन बनाने की योजना नहीं बनाई। यदि कोई भी अध्यक्ष अपने पूर्वजो के नक्शे कदम पर चलता तो आज महासभा के पास दिल्ली में ही बहुत बड़ा भवन होता जो भवन दान में मिला था। उससे प्रेरणा लेकर भी किसी दानी भाई ने दान में ही कोई भवन देने का विचार नहीं किया। परन्तु राष्ट्रीय स्तर की सभा के लिए तो बड़ा भवन होना चाहिए था।

सन् 2007 का शताब्दी समारोह के रूप में बड़े उत्साह व उमंग से मनाया गया। उस समय तक भी यह नहीं विचारा गया कि महासभा के पास बड़ा भवन होना चाहिए जहां कम से कम पांच हजार व्यक्ति एकत्रित होकर कोई जलसा उत्सव कर सकें। समाज में जागृति आई तो साथ ही यह आवाज भी आने लगी कि महासभा के पास बड़ा भवन होना ही चाहिए। सभी को यह बात अखरने लगी। अब लोगों की महत्वकाक्षाएं बढ़ने लगी। अनेक लोगों की इच्छा प्रधान पद पाने की बनने लगी। अब तक अध्यक्ष का चुनाव शांतिपूर्वक सर्वसम्मति से होता था।

हमें अपने पूर्वजों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने पैदल चल चल कर भूखे रहकर समाज को जोड़ने का प्रयास किया था। हमें आज भी उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए व समाज को एक सूत्र में पिरोकर संगठन के मजबूत बनाना चाहिए। संगठन यदि मजबूत होगा तो राजनैतिक पार्टियां भी हमारे पास स्वयं चलकर आएंगी, तभी हमारे समाज को महत्व और सम्मान बढ़ेगा।

देशराज आर्य
से.नि.प्रधानाचार्य-रेवाडी, हरि.
मो.- 9416337609

"हार्दिक आभार"

दिनांक 26 मई 2019 को अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के प्रांगण में प्रादेशिक सभा दिल्ली द्वारा आयोजित शताब्दी समारोह में महासभा के सभी उपस्थित पदाधिकारियों, सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समाज बंधुओं का महासभा की ओर से हम हार्दिक आभार व्यक्त करते है। बधाई के पात्र है आप सब लोग जिन्होंने अपनी सामाजिक भावनाओं को परिचय देते हुए समारोह में उपस्थित होकर समारोह को गरिमा प्रदान की। आप लोगों की उपस्थिति से समाज का मान-सम्मान बढ़ा है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा है। आप सचमुच बधाई के पात्र है। महासभा की ओर से हम एक बार पुनः आप का हार्दिक स्वागत करते है।

ये हमारा सौभाग्य रहा कि उस दिन समाज के कुछ प्रमुख समाजसेवियां व गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में पधार कर महासभा को अपना भरपूर सहयोग दिया। जिससे महासभा का आर्थिक आधार मजबूत हुआ और प्रस्तावित महासभा भवन मुण्डका दिल्ली के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मै एक बार पुनः महासभा की ओर से आपका हार्दिक एवं अभिनन्दन करता है।

महामंत्री, महासभा

जिला सभा जांगिड़ ब्राह्मण युवा मंच का
शपथ ग्रहण व होली स्नेह मिलन समारोह

सूरत में राजस्थान मेवाड़ अंचल के जांगिड़ (सुथार) समाज के विभिन्न संगठन रविवार को एक मंच पर नजर आए। अवसर था होली स्नेह मिलन और शपथ ग्रहण समारोह। डिंडोली तालाब के पास मनपा के कम्युनिटी हॉल में रविवार को दिनभर कई वर्गो में हुए इस समारोह में सूरत सहित विभिनन प्रांतो से भी पदाधिकारी और सामाजिक बंधु आयोजन में शरीक हुए और सामाजिक एकता का परिचय दिया। इस अवसर पर पुलवामा हमले में शहीद हुए राजस्थान के जवानों के परिवारों को 2 लाख रुपए की सहायता की घोषणा को गई। कार्यक्रम सुबह नौ बजे शुरु हुआ और देर शाम तक अनवरत चलता रहा । इस दौरान नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण सहित बाल पुरस्कार, मेहंदी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक संध्या आदि कई आयोजन हुए। राजस्थान के ख्यातनाम कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इस दौरान दुबई सहित राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात सहित अन्य प्रांतों से हजारों सामाजिक बंधु आए जांगिड़ सुथार समाज का यह एतिहासिक कार्यक्रम था जहां एक मंच पर आकर सभी ने सामाजिक एकता का परिचय दिया। समारोह में जांगिड़ महासभा के अध्यक्ष रविशंकर जांगिड़, अंतरर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अमराराम जांगिड़, कैलाश बर्नेला, एकलिंग प्रसाद, चुनाराम, मोहनराम, छोटुलाल, प्रमोद, भंवरलाल, कैलाश, चेतन प्रकाश ,अजीत मांडन, मानाराम, विलाश, नेमिचंद, सुनील भाई, मुरली भाई, मामराज, हनुमान, दीपाराम, छगनलाल, लुंबाराम, दुर्गागाम, कमल भाई, राकेश भाई,लादूराम, आदि समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाज के पुरुष, महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मोहन जांगिड़ व श्रवण धामू ने किया।

जिला मंत्री

जांगिड युवा मंच सूरत(गुजरात)

''दूरदर्शिता ही उज्ज्वल भविष्य की जननी''

चिरकाल से दैत्यों और देवों में श्री लक्ष्मी के लिए, प्राप्त करे और अपने ऐशो आराम हेतु पृथ्वी पर संघर्ष होता रहा है, और वही आज भी हो रहा है। लक्ष्मी का रूप मोहनी बताया इस रूप को पाकर रामायण काल में श्री देवपुरुष नारदजी तक मोहित हुये थे। यही इस देश में दैत्य रूपी घनपतियों की ओर देखकर आभास नहीं हो रहा कि दैवत्य फिर कहीं विलुप्त ही हो गया ?

देवो ने तो हमेशा देना ही सीख कर नित्यप्रति दे रहे है, जैसे आकाश, पृथ्वी, जल जंगल, पेड़ पौधे, हवा, अग्नि, चंद्र सूर्य आदि हमारे जड़ देवता बताये है। जब ये ही हम दे दे कर जिन्दा रख रहे है तो हम जैसे चैतन्य देवता पीछे क्यों रहे? ज्ञात रहे अभी कुछ समय पूर्व दिल्ली की जांगिड महासभा के प्रयासों से मुण्डका में सभा भवन हेतु निर्माण हेतु विज्ञप्ति निकाली गई है अत: हमें भी अपनी नेक कमाई में से कुछ अंशदान स्वरूप अवश्य भेंट करना चाहिऐ और यश प्राप्त करें।

वह दाता प्रभु ''देवत है दिन रैन'' फिर भी हम केवल और केवल अपना अपना ही बटौरते नहीं थकते और देना जो देवत्वता का प्रतीक है सर्वदा भूल चुके है। याद रहे हम जितना औरौं को देने की सोचेंगे, वह परमात्मा (अगोचर) प्रभु हमें उससे कई गुणा अधिक देवेंगा विश्वास रखे। अदि हम अच्छे कार्यो में अपना थोड़ा थोड़ा योगदान दे कर इस पुनीत कार्य में अपनी तुच्छ आहुति को प्यारे प्रभू को अर्पण करें यही विनति प्रभु विश्वकर्मा पुरी करें।

क्या हम इस भारत सरकार के इनकम टैक्स में छोटे, बडे, उद्योगो द्वारा भी अपने लाभांशो में से केवल दो प्रतिशत (चैरिटी) दान स्वरूप अपना यूक्ष्म योग दान देकर इस कार्य में अपना भाग अवश्य देकर सभा को धन्यवाद अर्जित करें। आपका ध्यान आकर्षित कर रहा हूँ कि मुसलिम समाज में भी जक़ात अर्थात दान देने को पवित्र कार्य बताया गया है। ईसाइयों में भी (ईसाईयो) में भी (चैरिटी) दान देना एक शुभ व पवित्र कार्य बताया है। देवताओं का स्वभाव है कुछ न कुछ देते रहे वही देवत्व है जो दिव्यता प्रदान करती है। हम केवल लेने वाले नहीं बने वरन, जो कुछ लिया है उसका सो गुणा देने की सोच रखे वह परमात्मा हमें अधिक से अधिक हजार गुणा देकर हमारा मान रखेगा अवश्य। देने का सुख कुछ और ही आनन्दित करता है।

जो सुख की अनुमति देने में हमें प्राप्ति होगी वह भुलाई नाहिं जा सकती है। यह एक अनुठा सुख आपको अधिक और अधिक प्रसन्नता सदा दिया करेगा और आन्तरिक यही सुख जीवन ज्योति को प्रकाशमान कर प्रसन्नता देगा। देने का अवसर ऐसा फिर नहीं आयेगा यह कार्य बहुत वर्षो के बाद हमें मिला है,तो हमारा भी कर्त्तव्य बनता है, समाज की सेवा में अपना तन, मन व धन देकर अवश्य पुण्य प्राप्त करें। अपने कर्तव्य को निभाकर ख्याति प्राप्त करें अच्छे नागरिक की पहिचान।

एक पुराना बागवान आम, अमरूद, जामुन आदि के पेड बड़ी मेहनत कर बाग लगा रहा था तो एक दूसरे आगुन्तक द्वारा पूछने पर उसने कहा मैं तो खा नहीं सकूंगा लेकिन मेरे बच्चे आदि के काम आवेंगे तो अच्छा होगा आदि, यही दूरदर्शिता व परहित की भावना को बुद्धिमानी कहते है विचार करें।

हमें भविष्य निर्माता-निर्माण कर्ता श्री विश्वकर्मा प्रभु का बहुत बहुत आभार व आशीर्वाद प्राप्त हो। उस अदृश्य ब्रह्म स्वरूपा को नमन- ।।

WELL BEGINNING IS HALF DONE.

पुरूषोत्तम दास गोठवाल
एस-8, कबीर मार्ग, जयपुर-16
-फोन नं.- 0141-2205991

आज नारी के गौरव को समझने की जरूरत है।

इस धरती पर स्वर्ग का निर्माण कैसे होगा इसके लिए पुरूष का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं किन्तु नारी (पत्नि) का दायित्व का दायरा पुरूष से बड़ा है। या यूं कहे इस धरती पर स्वर्ग निर्माण में पुरूष जहां बेलदार के रूप में तो नारी राज मिस्त्री भवन निर्माता है। इसलिये तो मानव धर्मशास्त्र प्रणेता महर्षि मनु ने दाराधीनास्तथा स्वर्गः कहा है-अर्थात स्वर्ग नारी के अधीन है। गृहस्थ जीवन की सुख शान्ति नारी के हाथ में है। महाभारत, रामायण आदि के उदाहरणों से ये समझने का प्रयास किया कि पत्नि पुरूष का आधा अंग है। वहीं संसार में सबसे श्रेष्ठ मित्र है । पत्नि धर्म, अर्थ और काम का मूल है । जो पुरूष दुःख से पार जाना चाहता है उसके लिये सहारा पत्नि ही है। पत्नि के साथ ही पुरूष की विशेष रूप से क्रिया, शोभा और आनन्द यह सब कुछ होता है । प्रिय भाषण करने वाली पत्नि जन-शून्य जगह में मित्र के समान होती है। वो धर्मयुक्त कार्यो में पिता की तरह सलाह देने वाली दुखित व रोगी बीमार होने पर पत्नि माता के समान सेवा करने वाली होती है । जंगल में भी यात्री को विश्राम पत्नि से मिलता है। जिसकी पत्नि साथ में है ऐसे पुरूष पर प्रायः लोग विश्वास करते है। इसलिए पुरूष के लिए पत्नि एक बड़ा भारी सहारा है। पत्नि के समान कोई बन्धु नहीं है, न पत्नि जैसा कोई कर्त्तव्य प्रेरक है और न इस संसार में पत्नि के समान धर्म सम्पादन में अन्य कोई सहायक है।

दुर्भाग्य रहा भारत भू-धरा का कि मध्ययुग में विदेशी आक्रान्ताओं के आगमन मुसलमानों का प्रादुर्भाव जिन्होंने अपनी शक्ति के बल पर भारतीय मातृशक्ति के साथ घोर अन्याय किया। परिणामतरू बाल विवाह-परदा प्रथा का जन्म ही नहीं हुआ नारी के प्रति घोर घृणात्मक दृष्टिकोण घोर पतन का युग सम्पूर्ण समाज में पनपा व साहित्य में व्याप्त हो गया। अंग्रजो ने एक कदम-और आगे-चलकर इन तत्वों को-विकृत कर हमारे लौकिक व्यवहार में परिवर्तन शुरू कर दिया। मनुस्मृति जैसे ग्रन्थों में भी नारी के प्रति नफरत पैदा करने वाले श्लोकों को मिला दिया गया । शंकराचार्य के नाम से प्रश्नोत्तरी नाम ग्रन्थ में प्रश्नोत्तर के रूप में नारी को बहुत नीचे गिरा दिया गया था। ऐसे में ईश्वर कृपा से इस भारत की धरती पर महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती अवतरित हुए। जिन्होंने नारी के प्रति श्रद्धा उत्पन्न करने हेतु वेदों के द्वारा नारी को सर्वोच्च पद पर आसीन किया। देव स्वामी दयानन्द ने पुनः शुद्धः पूता योषितो यज्ञिया इमाः जैसी अनेक वैदिक उद्घोषणाओं द्वारा मातृशक्ति का गौरव प्रतिष्ठित किया। आज जो नारी का समाज में जीवन और जागृति है यहां तक कि हमारे राष्ट्र के प्रधानमंत्री पद की गरिमा बढ़ाने वाली भी हुई है। जिसका श्रेय देव दयानन्द के नारी के प्रति जगाए क्रान्तिकारी आन्दोलन को जाता है। नारी का सच्चा गौरव, आदर्श पत्नि, आदर्श माता, आदर्श बहिन, आदर्श पुत्र वधु, आदर्श सास, आदर्श ननद इन सबके माध्यम से आदर्श समाज सेविका बन नारी गौरव के द्वारा नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए अपने भारतीय संस्कारों के माध्यम से अच्छे समाज का निर्माण करने में है।

पत्नि जो माँ का रूप धरती है तो नारी के लिये कहा गया-'माता निर्माता भवति', पुत्र का निर्माण करने के कारण ही नारी की संज्ञा ''माता'' के रूप में दी गई है। माता कौशल्या ने भगवान श्रीरामजी के जीवन में गाम्भीर्य, सहिष्णुता, परमात्व परायणता, धार्मिकता आदि गुणों को भरकर एक श्रेष्ठ युग पुरूष के रूप में पूज्य बना दिया। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की वीरता, शौर्यता, राजनीतिज्ञता, प्रभु भक्ति, गौ-माता प्रेम, सेवा भाव, धर्मशीलता आदि गुण माता देवकी के अनुपम धैर्य, कष्ट, सहिष्णुता रूप, तप, वीरत्व, ईश्वर प्रेम तथा माता यशोदा की लोरियों में देखा जा सकता है । छत्रपति शिवाजी को घड़ने वाली माता जीजाबाई ही तो- थी।

बहिन के रूप में नारी का प्यार प्रेम अधिक निर्मल, अधिक पवित्र, अधिक निरूस्वार्थ और अधिक गम्भीर है। रक्षाबन्धन का पुण्य पर्व भाई-बहिन के सहज प्रेम की कैसी पवित्र अभिव्यक्ति है। रक्षा के इन धागों में कितनी ममता, कितना प्यार और कितनी आशाएं गूंथी रहती है। भाभी-ननद-सास हर रूप में नारी गुण

की खान है। शास्त्रों में नारी के लिये जिन कर्त्तव्यों का उपदेश दिया गया है उन सबका नियम पूर्वक पालन करे तो धरती पर पापाचार पैदा ही नहीं होगा। अपने अंगो को वस्त्र और आभूषणों से अच्छी तरह अलंकृत कर पूरी सावधानी के साथ पति व परिवार के हित साधन में संलग्न रहे तो निश्चित यह धरती स्वर्ग बन जाए। नारी (पत्नि) दासी नहीं है, पैर की जूती नहीं है, वह गृहस्वामिनी है, वह साम्राज्ञी है, जो अपने कुशल व्यवहार से बुरे से बुरे स्वभाव को बदलने की ताकत रखती है। उजड़े घरों को आबाद कर देती है।

दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि नारी ही नारी जाति की शत्रु बनी बैठी है। सास भूल जाती है कि मैं भी कभी बहू थी। बहू को बेटी रूप में देखे, जिन्दगी में बहार आ जायेगी। हाँ, दुर्भाग्य से सास-बहू में ठन जाए तो पति पर संकट का पहाड़ टूट पड़ता है। पति संज्ञक अभागे प्राणी की दशा ''भई गति साँप छछूंदर जैसी'' एक और माता, दूसरी ओर पत्नि, किसे छोड़े, किसे अपनाएं ? कहाँ जाए-क्या करे ? माँ-पत्नि का पक्ष लेने पर ताना मारती है-क्या इसी दिन के लिये तूझे पाला था ? पत्नि- माँ का पक्ष लेने पर कहती है- क्या इसी दिन के लिये मेरा हाथ पकड़ा था ? पति जितना सुलझाने का प्रयास करता है डोर उतनी ही उलझती चली जाती है। वास्तव में इस दीन पति-पुत्र पर दोनों को दया करना चाहिए। माँ यदि अपने पुत्र से सच्चा प्यार करती है तो उसे समझना होगा कि इस पर मेरा ही नहीं इसकी जीवन संगनी का भी उतना ही अधिकार है, क्योंकि इसका(पुत्र वधु) मात्र सहारा मेरा बेटा है । पत्नि को भी यह समझना पड़ेगा कि मेरे पति पर उनके माता-पिता, भाई-बहिन का भी उतना ही अधिकार है जिनकी आशाओं और आकांक्षाओं का वह केन्द्र होता है। एक बुद्धि और कर ली जाए कि सास-बहू अपनी समस्याओं के बीच उसे (पति को) डाले ही नहीं ।

सास अपनी पुत्रवधु को वैसा ही प्यार करे, दुलार दे जिसे वधु के रूप में कभी वह स्वयं चाहती थी। हां प्रत्येक वधु को एक दिन सास बनना है। हर पिता एक दिन पुत्र था, हर पुत्र एक दिन पिता बनेगा। ऐसी दशा में जीवन जीए किस तरह यह समझना होगा। बेटी को ससुराल में कष्ट होने की खबर सुनते माता-पिता दु:खी ही नहीं होते, क्रोध सातवे आसमान पर वे तड़फ उठते है। वही अपनी पुत्र वधु के साथ उनका व्यवहार कैसा है ? एक बार सोचे।

इसी सोच के साथ नारी जाति की महिमा, नारी गौरव को आत्मसात कर धरती को स्वर्ग बनावेंगे। परिवार हमारी प्रथम सामाजिक इकाई है। प्रथम व्यवहारिक पाठशाला है। जिस गृहस्थ में आज्ञाकारी बुद्धिमान पुत्र हो, मृदुभाषी पत्नि, गृह संचालन के लिये पर्याप्त धन, सन्त अतिथियो की सेवा का भाव, ईश्वर भक्ति, संयम वृत्ति, नौकर आज्ञाकारी परिवार में नारी का सम्मान, बस इस धरती पर स्वर्ग आ गया समझो संस्कार जीवित रखना है तो हमें आज मातृशक्ति, नारी के गौरव व समझने की आवश्यकता है।

इन विचारों को सुनकर लगा कि आज ऐसे विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। नारी का सम्मान बढ़ाना है । बाद में डॉ. सत्यार्थी जी से बहुत सारी चर्चा हुई। सारे प्रश्नों का उत्तर बडी धीरजता के साथ प्रमाण सहित दिये। मैं तो चाहता हूं कि उन जैसे विद्वानों के आयोजन हर गांव-खेडे में हो। संस्कार जीवित रखना है तो कुछ करना होगा। वेदकथा का आयोजन या संस्कार शिक्षा सम्मेलन आदि का आयोजन हो, जिसमें नारी जाति व युवावर्ग मुख्य रूप से भाग ले।

मदनलाल भदरेचा
पाड़लिया(खंजरपुर) जिला इन्दौर
मो. 9425350746

प्रेरणादायक सहयोगी लेखक

महासभा के **"जांगिड़ ब्राह्मण"** पत्र हेतु निरंतर रचनाए भेजकर कुछ लेखक पूर्ण सहयोग देते आ रहे हैं। निम्न लेखकों ने सुन्दर प्रेरणादायक व समाज सुधार के सुरूचिपूर्ण लेख भेजकर अनुगृहित किया है। **प्रमुख सहयोगीः-**

1. श्री प्रवीण शर्मा (नीमच) प्रेरणादायक अनुभवी लेखक ।
2. श्री पुरूषोत्तम दास गोठवाल जयपुर - आध्यात्मिक क्षेत्र के लेखक ।
3. श्री छाजूलाल शर्मा - नवलगढ़ (राज.)- सामाजिक समस्याओं के प्रति सचेत करने वाले लेखक ।
4. श्रीमती मधुशर्मा - इन्दौर-महिला सशक्तिकरण हेतु जागरूक लेखिका ।
5. श्री कैलाश चन्द शर्मा- रेवाड़ी - समाज सुधार व इतिहास पर जोर देने वाले लेखक ।
6. श्री राम गोपाल जांगिड़ - दौसा, समाज हित क्षेत्र के लेखक ।
7. श्री रोहिताश्व जांगिड़ कोटपूतली - सामाजिक क्षेत्र के लेखक ।
8. श्री तारा चन्द जांगिड़- जोधपुर - सामाजिक क्षेत्र के लेखक ।
9. श्री लक्ष्मी नारायण सत्यार्थी - नागदा (म.प्र.) सामजिक व धार्मिक क्षेत्र के लेखक ।
10. श्री अशीष कुमार जांगिड़-भीलवाड़ा (राज.) सामजिक व धार्मिक क्षेत्र के लेखक ।
11. श्री रधेश्याम तीतर वाडिया- जयपुर सामाजिक हित की कविताएं ।
12. डॉ लक्ष्मी निधि-जमशेदपुर- सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र के राष्ट्रीय स्तर के ख्याति विद्वान प्रभावशाली व लेखक ।
13. ताऊ शेखावटी-सवाईमाधोपुर-राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध कवि, अपनी कविताओं से समाज को प्रेरित करते रहते हैं ।
14. श्री बाबूलाल सुथार-सांचौर-सामान्य ज्ञान एवं धार्मिक क्षेत्र के प्रसिद्ध लेखक ।
15. श्री रामपाल जांगिड-दिल्ली-पूर्व सह सम्पादक 'महासभा' सामाजिक क्षेत्र के वरिष्ठ लेखक ।
16. श्रीमती ज्योत्स्ना निधि-जमशेदपुर-प्रसिद्ध सामाजिक साहित्य सेवी, शिक्षाविद लेखिका ।
17. श्रीमती सुनीला जांगिड-घामड़ौज(गुड़गांव)- सामाजिक क्षेत्र की लेखिका ।
18. श्री अनिल कुमार जांगिड-बहरोड़(राज.)-धार्मिक क्षेत्र के लेखक ।
19. श्री रामजस जांगिड- मुण्डावर(राज.) सामाजिक क्षेत्र के लेखक ।
20. श्री प्रेमनारायण शर्मा-जयपुर-सामाजिक क्षेत्र के लेखक
21. श्री देशराज आर्य-रेवाड़ी-सामाजिक क्षेत्र के वरिष्ठ लेखक

उपरोक्त लेखकों का हम पुनः आभार व्यक्त करते हैं। आशा करते है कि भविष्य में भी निरंतर सामाजिक, रचनात्मक, कविताऐं आदि लेख भेजकर महासभा का सहयोग करते रहें।

सम्पादक मंडल (महासभा)

समाज बंधुओं से विनम्र अपील...

आदरणीय समाज बंधुओं,

सादर नमन,

जैसा कि आप सभी को विदित है कि समाज एक लंबे समय से एक भव्य महासभा भवन का सपना देखता आया है जो उन सभी की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर सके जो अभी महासभा से जुड़े हुये हैं।

आप सभी इस तथ्य से भली भांति परिचित हैं कि समाज की पहचान और प्रतिष्ठा के लिये देश की राजधानी में एक भव्य भवन होना नितांत आवश्यक है जो जांगिड़ समाज के वर्तमान सामाजिक स्तर को दर्शाने के साथ साथ समाज के हर छोटे बड़े सदस्य को गर्व की अनुभूति करवाने में सक्षम हो।

निवर्तमान महासभा प्रधान आदरणीय श्री कैलाश जी बरनेला जी ने इस दिशा में जो भी प्रयास किये वो सराहनीय हैं क्योंकि उन प्रयासों की वजह से ही आज जांगिड़ समाज के पास एक 450 गज का भूखण्ड महासभा भवन हेतु संभव हो सका है जिसकी आपकी महासभा के नाम से रजिस्ट्री हो चुकी है। हम सभी की आकांक्षा यही है कि इस भूमि के साथ मे जो और भूमि लगभग 450 गज की उपलब्ध है उसे भी महासभा क्रय कर सके और उसके बाद इन दोनों भूमि के टुकड़ों पर एक भव्य महसभा भवन और छात्रावास का निर्माण हो, ये कार्य आप सभी के पूर्ण सहयोग से जल्द ही संभव होगा ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है क्योंकि घोषित राशि महासभा के खाते तक पहुँचनी शुरू हो गई है।

हम सभी को पूर्ण विश्वास है कि जिन महानुभावों ने महासभा भवन के लिये दान देकर धन मुहैया कराने की घोषणा की थी वो तो निश्चित रूप से आगे बढ़ कर न सिर्फ अपने वचन की लाज रखेंगे बल्कि अतिरिक्त दान देने में भी पीछे नहीं हटेंगे, साथ ही साथ अन्य दानदाताओं से भी धन उपलब्ध हो सकता है जो कि पिछली मीटिंगों में किसी कारण से शामिल नहीं हो सके थे या घोषणा नहीं कर पाये थे।

समय की एक और माँग है कि समाज का आम जन महासभा के इस महायज्ञ में अपनी यथाशक्ति आहुति डाले ताकि सभी इस महासभा भवन से जुड़ाव और लगाव और अपना योगदान महसूस कर गर्वान्वित हो सकें।

जब तक समाज के आम जन अपनी नेक कमाई से अपनी खुद की सामर्थ्य के अनुसार 501, 1100, 2100, 3100, 5100, 11000, 21000, 31000, 51,000, 101000, 151000, 201000, 251000 जैसी दान राशि उपलब्ध नहीं करायेंगे तब तक शायद महासभा भवन में अपने योगदान का गर्व महसूस नहीं कर सकेगें अतः छोटे से छोटे योगदानकर्ता का भी आगे बढ़कर योगदान करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बात धनराशि के छोटे या बड़े होने की नहीं है बात ये है कि समाज के हर वर्ग को इस बात का गर्व करने का मौका मिलना चाहिये कि वो कह सकें कि उनका भी योगदान महासभा भवन में लगा हुआ है अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि महासभा भवन के लिये दिल खोल कर छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा योगदान यथासंभव देने की कोशिश अवश्य करें क्योंकि ये एक असाधारण मौका है जो कि आप सभी के सामने बहुत समय के बाद आया है।

आप सभी की ये छोटी छोटी और बड़ी बड़ी आहुतियाँ एक भव्य भवन में आपके योगदान की निशानी बन आपके आने वाली पीढ़ियों को गर्व कराने के लिये एक मिसाल बनेंगी और समाज के विकास को एक नई गति और दिशा मिल सकेगी।अगर आप सभी का सहयोग मिला तो ये लक्ष्य अवश्य हासिल होगा और आगे भी समाज में सहयोग राशि से ही और बड़े बड़े कार्य संभव हो सकेंगे।

भवन निर्माण के लिये धन आना शुरू हो चुका है केवल इसमें तेजी लाने की आवश्यकता है ताकि इस कार्य को जल्द ही साकार रूप दिया जा सके। समाज के एक एक जन से विनती है कि समाज के व्यापक हित में आगे आयें और यथासम्भव योगदान इस महान लक्ष्य की प्राप्ति में अवश्य ही करें।

जय श्री विश्वकर्मा!

–पूर्व प्रधान कैलाश चन्द्र शर्मा
चेयरमैन–प्रस्तावित महासभा भवन

–रविशंकर शर्मा ''जांगिड''
प्रधान महासभा, 09414110627

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

कु. कनिष्का शर्मा जांगिड सुपुत्री श्रीमती पूनम शर्मा एवं श्री नवीन शर्मा निवासी 861/23 हीरा नगर गुडगांव हरियाणा ने वर्ष 2018-19 में दसवीं कक्षा (सी.बी.एस.सी.) बोर्ड से 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण की है।

शुरू से ही कु. कनिष्का मेधावी छात्रा रही हैं। आपकी इस सफलता से परिवार ही नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

वेद प्रकाश शर्मा रेवाड़ी उप प्रधान अ.भा.जा.ब्रा.महासभा दिल्ली

कु. हेमा श्रीमती कल्पना शर्मा एवं श्री दीपक शर्मा निवासी नारनौल (हरि.) ने सी.बी.एस.ई. की 10वीं परीक्षा में 83.06 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता प्राप्त की है।

हेमा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने दादाजी श्री चांदीमल शर्मा एवं दादी श्रीमती शकुंतला देवी की प्रेरणा को दिया है। हेमा की इस सफलता से समस्त परिवार जन ही नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

सह-सम्पादक

अर्तिका खलमानिया(जांगिड) रही बारां जिले की टॉपर'

अर्तिका खलमानिया पुत्री आर. सी. खलमानिया (प्रदेश प्रचार मंत्री, महासभा) ने CBSE से कक्षा 12 वीं (विज्ञान)में केंद्रीय विद्यालय बारां मे 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बारां जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।दसवीं में भी इसने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे ।इसका डॉक्टर बनने का लक्ष्य है ।माता पिता दोनों शिक्षक शिक्षिका हैं । माता मोनिका खलमानिया ,महासभा मे प्रदेश महिला उपाध्यक्ष पद पर है ।दोनो ही समाज सेवा व समाज की उन्नति के लिए हमेशा कार्य कर रहे हैं।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

आर सी खलमानिया(जांगिड) प्रदेश प्रचार मंत्री प्रदेश महासभा राज.

कु. दिक्षिता जांगिड सुपुत्री श्री राकेश जांगिड सुपौत्री श्री बृजमोहन जांगिड़ निवासी नागपुर (महा.) ने सी.बी.एस.ई. 2019 की 10वीं की परीक्षा में 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है।इनकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु जां. ब्रा. समाज भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

प्रभुदयाल बरनेला-इन्दौर

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

कु. निकिता जांगिड़ सुपुत्री श्रीमती सरोज देवी एवं श्री रामगोपाल जांगिड़ निवासी मकराना जिला नागौर ने 12वीं कक्षा की वाणिज्य वर्ग मे राज. शिक्षा बोर्ड से 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है आपकी सफलता से परिवार जन हीं नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

उमाशंकर बोदल्या-मकराना

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर से सीनियर परीक्षा में विज्ञान वर्ग में सवाई माघोपुर जिले में सर्वश्रेष्ठ पियुष जांगिड़ पुत्र श्री पुरूषोतम जी जांगिड़ (व्याख्याता) राजविहार कालोनी सवाई माधोपुर राज ने 96प्रतिशत अंक अर्जित कर पूरे जिले मे परिवार व समाज का नाम रोशन व गौरवान्वित किया है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

ब्रह्म प्रकाश शर्मा (मीडिया प्रभारी)
जिला सभा- सवाई माधोपुर(राज.)

---

15 वर्ष से कम उम्र में किया समाज का नाम रोशन

अर्णव जांगिड़ सुपुत्र श्रीमती गीता देवी (गुड्डी) एवम श्री अनिल कुमार जांगिड (दिल्ली पुलिस), निवासी ई - 66 गंगा विहार, दिल्ली ने केंद्रीय विद्यालय ए जी सी आर (दिल्ली क्षेत्र) से नेशनल अंडर 15 हॉकी टीम में चयनित होकर परिवार तथा समाज का नाम रोशन किया।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

यशपाल एस जांगिड़ प्रदेश प्रवक्ता एवं वरिष्ठमंत्री
प्रदेशसभा, उत्तर प्रदेश, 9897412120

मोहित जांगड़ा सुपुत्र श्रीमती उर्मिला देवी व श्री प्रेम कुमार जांगडा निवासी लेघां, भिवानी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा इंस्पायर अवार्ड् विज्ञान प्रदर्शनी में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लेघां के छात्र मोहित जांगड़ा का चयन जापान के लिए किया गया। हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जापान में विज्ञान कार्यक्रम के लिए केवल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लेघां के छात्र मोहित का चयन हरियाणा राज्य में हुआ जो राज्य हरियाणा के लिए गर्व का विषय है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

ओम प्रकाश जांगिड
अध्यक्ष, जांगिड ब्राह्मण जिलासभा भिवानी

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

कु. कनिका शर्मा सुपुत्री श्रीमती मंजू शर्मा एवं श्री नवीन शर्मा सुपौत्री श्रीमती निर्मला शर्मा एवं श्री मनोहर लाल शर्मा निवासी गुड़गांव ने हरि. शिक्षा बोर्ड से 12वीं की परीक्षा 2019 में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। कु. कनिका आरम्भ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। इनकी सफलता से परिवार जन हीं नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सह-सम्पादक

विपुल जांगिड को राजस्थान बोर्ड की सी. सैकेण्डरी परीक्षा 2019 में 87 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। विपुल पौत्र श्री छाजूलाल जांगिड श्रीमती गणपति देवी पुत्र अशोक कुमार जांगिड श्रीमती सरिता जांगिड जो एक सफल शिक्षिका नवलगढ़, जिसमें गणित विषय में 98 प्रतिशत अंक और भौतिक विज्ञान में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। इंजीनियरिंग विषय में रूचि रूझान होने के कारण विपुल सीकर से आई. आई.टी. की तैयारी कर रहा है।इनकी सफलता से परिवार जन हीं नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

छाजूलाल जांगिड-नवलगढ़

गौरव जांगिड सुपुत्र श्रीमती सरोज जांगिड एवं श्री मुकेश जांगिड निवासी बौन का पुरा (कैलाश नगर) पो० मण्डावरा तह. हिन्डौन जिला करौली(राज.) ने मा. शि.बोर्ड से 12वीं कक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। गौरव जांगिड शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है। इनकी सफलता से परिवार जन हीं नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

प्रेरित शर्मा सुपुत्र श्रीमती ऋतु शर्मा एवं श्री दिनेश कुमार निवासी गुरुग्राम ने सी बी एस ई की 10वीं कक्षा में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता पिता और समाज का नाम ऊंचा किया है। प्रेरित शर्मा ने अपनी पढ़ाई केन्द्रीय विद्यालय, गुरुग्राम (हरियाणा) से कर रहे हैं ।महासभा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं।

यशपाल एस जांगिड़, वरिष्ठ उपमंत्री
प्रदेशसभा, उत्तर प्रदेश, 9897412120

शोभित जांगिड सुपुत्र श्रीमती संतोष जांगिड एवं श्री रमेश चन्द्र जांगिड निवासी सांगानेर जयपुर राज. ने केन्द्रीय मा. शिक्षा बोर्ड से 12वीं कक्षा में 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता की है। इनकी सफलता से परिवार जन हीं नहीं अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

कु. मानसी जांगिड सपुत्री श्रीमती आरती जांगिड़ एवं श्री अमर जांगिड़ सुपौत्री श्री बाबूराम जांगिड़ निवासी अमर स्पेयर्स, बुढ़ाना रोड, शामली ने आई सी एस ई की 12वीं कक्षा में ग्रेड ए (चार विषयों में विशेष योग्यता) 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता पिता और समाज का नाम ऊंचा किया है। मानसी जांगिड़ ने अपनी पढ़ाई सेंट फ्रांसिस स्कूल, शामली से पूरी की है तथा अब वह कॉमर्स में स्नातक की पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को पाना चाहती है। महासभा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं।

यशपाल एस जांगिड़, वरिष्ठ उपमंत्री
प्रदेशसभा, उत्तर प्रदेश, 9897412120

कु. कुमकुम जांगिड़ पुत्री श्री रामचन्द्र जांगिड़ ने कक्षा 10वीं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान में 95.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जांगिड़ ब्राह्मण समाज का नाम रोशन किया व कुमकुम जांगिड़ को राजस्थान सरकार के द्वारा गार्गी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि की खुशी में जांगिड़ नवयुवक मण्डल मकराना के अध्यक्ष उमाशंकर बोदल्या, ससंगठन मंत्री गजेन्द्र बोदल्या, सचिव वेदप्रकाश लदौया, मीडिया प्रभारी हिमांशु रोहिलीवाल ने कुमकुम जांगिड़ को शुभकामनाएं दी व आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

महासभा व जांगिड़ समाज की तरफ से कुमकुम जांगिड़ को बहुत बहुत बधाई महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

वेद प्रकाश लदौया, मकराना, नागौर

कशीश जांगिड़ सुपुत्री श्रीमती नमिता जांगिड़ एवं श्री प्रवीन जांगिड़ एवं सुपौत्री श्री दयाराम जांगिड़ गुरुग्राम(जांगिड़ ब्राह्मण वैलफेयर ट्रस्ट जनरल सेक्रेटरी) ने 10+2 कॉमर्स सी.बी.एस.सी की वार्षिक परीक्षा वर्ष 2019 मे 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता पिता व परिवार एवं जांगिड़ ब्राह्मण समाज का नाम रोशन किया है जांगिड़ ब्राह्मण समाज ऐसे होनहार बच्चों पर गौरवान्वित महसूस करता रहेगा।

महासभा व जांगिड़ समाज की तरफ से कशीश जांगिड़ को बहुत बहुत बधाई महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

दयाराम जांगिड़
9873255021

सेजल जाँगिड सुपत्री श्री हरीश कुमार जाँगिड निवासी रतनगढ जिला चूरू (राज.) ने सी.बी.एस ई, बोर्ड दिल्ली की कक्षा 10 की परीक्षा 2019 में अंग्रेजी माध्यम से 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने स्वयं के विद्यालय भरतिया इन्टरनेशनल स्कूल, एन.एच.-11, राजलदेसर (चूरू) में प्रथम स्थान एवं पूरे चूरू जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। सेजल की माता श्रीमती रक्षा एक स्कूल में शिक्षिका तथा पिता जिला-परिषद चूरू में लिपिक के पद पर कार्यरत है। इसके दादा श्री ओमप्रकाश जाँगिड़ जिला शिक्षा अधिकारी के पद से 2012 में सेवा निवृत हो चुके हैं। महासभा इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री ओमप्रकाश जाँगिड
वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी, चूरू(राज.)

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

भारत गौरव पब्लिक स्कूल के निदेशक कैलाश जांगिड़ के द्वारा उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2019 में कोमल जांगिड़ 94%,तनु शर्मा 93% , कपिल गुर्जर 92%,पूजा सैनी 91%, पायल सांवलिया 90%,गायत्री मीना 89%, आशीष प्रजापत 86%,आरती सैनी 85:, जीतेन्द्र प्रजापत 85%, को सम्मानित किया गया।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

अनुज कुमार जांगिड सुपुत्र श्रीमती सुनीता रानी एवं श्री मनोज कुमार जांगिड व सुपौत्र श्री मुंशीराम जांगिड, निवासी-मुमताजपुर(पटौदी) हरि. ने सी.बी.एस.ई. 10वीं की परीक्षा 2019 में 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। इनकी सफलता से परिवार जन ही नही अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

मुंशीराम जांगिड

मुमताजपुर, पटौदी, गुडगांव, हरियाणा

अक्षय जांगिड सुपुत्र श्रीमती रेखा जांगिड एवं श्री सुशील कुमार जांगिड व सुपौत्र श्री राजेन्द्र सिंह जांगिड पूर्व प्रधान नांगलोई एवं रामा टिम्बर स्टोर, राजेन्द्र पार्क नांगलोई दिल्ली-41 ने सी.बी.एस.ई. मार्च 2019 परीक्षा में 12वीं कक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। आपकी सफलता से परिवार जन ही नही अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सिलकराम जांगडा,

चेयरमेन जां.वि. चेरीटेबल ट्रस्ट रोहतक, फोन. 9212787487

यक्ष जांगिड सुपुत्र श्रीमती सुनीता जांगिड एवं श्री सिलगराम जांगडा निवासी ए-90 अमर कालोनी वीर बाजार रोड़ नांगलोई दिल्ली-41 ने 2019 की परीक्षा कक्षा अष्टम् में 76 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। आपकी सफलता से परिवार जन ही नही अपितु जांगिड ब्राह्मण समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सिलकराम जांगडा,

चेयरमेन जां.वि. चेरीटेबल ट्रस्ट रोहतक, फोन. 9212787487

अहंकार! मैंने ये-ये किये थे ?

व्यक्ति जब वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आ जाता है तो दूसरों से बात करते समय स्वयं की अपनी प्रशंसा करते नहीं थकता कि मैंने नौकरी के समय या व्यापार में ये किये थे, जो हर कोई नहीं कर सकता और फिर स्व्यं को गौरवान्वित महसूस करता है। लेकिन हकीकत में उसकी उपलब्धियों में कोई खास भूमिका नहीं रहती। इसे आप इस प्रकार समझ सकते हैं ।

व्यक्ति जब इस संसार में प्रवेश करता है तो उसकी पूरी जिन्दगी को एक नाटक के रूप में लिया जाये, तो वह सिर्फ एक कलाकार की भूमिका में रहता है और उस नाटक के निदेशक तथा बहुत सारे सहायक निदेशक उसका मार्गदर्शन करते हैं और इसी के अनुरूप वह अपनी भूमिका निभाता है। व्यक्ति जब अहम के नशे में होता है तो वरिष्ठ नागरिक बनने के बाद, दूसरों से बात करते समय यही कहता है कि मैंने अपने जीवन काल में ये-ये उपलब्धियाँ प्राप्त की, जो दूसरा कोई नहीं कर सकता और वह नाटक का कलाकार अपने निदेशक, उप निदेशक का कभी जिक्र नहीं करता। हकीकत में उसकी उपलब्धियों का श्रेय निदेशक, उप निदेशक को जाता है, जिन्होंने उसको नाटक के कलाकार के रूप में सही मार्गदर्शन दिया।

सबसे पहले मैं आपका ध्यान निदेशक की ओर दिलाना चाहूँगा। वह परमपिता परमेश्वर है जिसने हमें इस धरती पर माता-पिता के मार्फत जन्म दिया, पैदा किया। परमपिता परमेश्वर जिसे हम ईश्वर, भगवान, गौड व परमात्मा आदि नामों से पुकारते हैं, उन्होंने व्यक्ति के पैदा होने के बाद निम्न उपनिदेशक नियुक्त किये और उन्हें आगे के मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी सौंपी।

1. माता-पिता - माता-पिता ने हमें पैदा करके इस धरती के दर्शन कराये। उन्होंने बचपन में सभी सुविधायें देने में कोई कसर नहीं छोड़ी, चाहे उन्हें कितनी ही तकलीफों का सामना करना पड़ा हो। बचपन में खिलाया, पिलाया और पाल-पोस कर इस स्थिति में ले आये कि हमें उन्होंने प्रथम कक्षा में शिक्षा हेतु दूसरे उपनिदेशक के हवाले कर दिया, लेकिन आगे भी लालन-पालन का समुचित ध्यान रखा।

2. शिक्षकगण- पहले प्राईमरी स्कूल में शिक्षकों ने हमें अक्षर ज्ञान कराके पढ़ाई कराई और फिर हाई स्कूल में प्रवेश के लिये तैयार किया। उसके बाद हाई स्कूल के शिक्षक उप निदेशक के तौर पर हमारी पढ़ाई का मार्गदर्शन किया और फिर कॉलेज में प्रविष्ठ हुए। कॉलेज के शिक्षकों ने मार्गदर्शन कर हमें नौकरी करने के लायक शिक्षा दी।

3. उच्चाधिकारी- नौकरी शुरू करने के बाद उच्च अधिकारियों ने हमारा उपनिदेशक के रूप में मार्गदर्शन किया ताकि हम नौकरी में अच्छा कार्य निष्पादित कर सकें और फिर सेवानिवृत हो गये। इसमें अधीनस्थ अधिकारियों तथा कर्मचारियों का योगदान भी भुलाया नहीं जा सकता।

अब आप ही बताइयें क्या उपरोक्त निदेशकों के मार्गदर्शन के बिना कोई कलाकार ये उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकता है? जवाब होगा हरगिज़-नहीं। इसलिये भैया काहे को कहते फिरते हो कि मैंने नौकरी में ये-ये उपलब्धियाँ प्राप्त की थी। यह सिर्फ आपके अहम रूपी नशे की बदौलत है, इसलिये आज से उपरोक्त निदेशकों को नमन करते हुए कहिये कि यह परमपिता परमेश्वर की ही कृपा थी, मेरा काम तो सिर्फ उनके मार्गदर्शन की पालना करना भर था। इसलिये उपरोक्त जीवन की अगर कोई उपलब्धियाँ आपको नजर आती हैं तो उसके श्रेय के हकदार सिर्फ उपरोक्त निदेशक, उपनिदेशक ही है। उन सभी निदेशकों का लाख-लाख शुक्रिया व नमन

ताराचन्द **जांगिड**

अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.)

23-बी, सुभाष नगर, पाल रोड़, जोधपुर

मो. नं. 9772243020

''जांगिड ब्राह्मण'' का मई, 2019 का अंक मिला। साहित्य और सुसंगत समाचारों से परिपूर्ण अंक। सधा हुआ सम्पादकीय। इस बार ''समाज के प्रथम शिक्षण संस्थान की शतवर्षीय गौरव यात्रा'' लेखक श्री कैलाश चन्द्र जांगिड पढ़ कर अपने आपको गौरान्वित अनुभव कर रहे हैं। वस्तुत: शिक्षा के संदर्भ में यह अग्रगामी सोच आज भी अनुकूल है। समाज को अभी भी इस क्षेत्र में ध्यान देने, सहयोग देने, अवसर देने आदि का कार्य करना अतिआवश्यक है। धर्मशाला से पहले स्कूल बनाई जाए। बहरहाल भारतवर्ष में समाज बहुत बड़ी संख्या में है। इस संस्था में सदस्य भी बहुत परन्तु शिक्षा, साहित्य और सामाजिक सरोकार पर कम ही काम हो पा रहा है।

अलग अलग क्षेत्रों से उपलब्धि हासिल करने वाले समाज बंधुओं के आलेख भी देने चाहिए। व्यापार के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में भी बतावें। सामाजिक एवं राजनैतिक एकता पर बल दिया जाना चाहिए। पत्रिका में नवीनतम तकनीकी ज्ञान का समावेश किया जाए ताकि उपयोगी बने।

पुनश्च: संस्था से जुड़े सभी समादरणीय सक्रिय समाज बंधुओं को नमन जिनके परिश्रम से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

मोहनलाल जाँगिड़

बीकानेर। 9414147270

शुभ विवाह

चि. हिमांशु सुपुत्र श्री बालकिशन एवं सुपौत्र स्व. श्री फूलचन्द चिडावा निवासी वर्तमान सेक्टर-13, द्वारका दिल्ली का शुभ विवाह सौ. नेहा सुपुत्री सुरेश चन्द, नजफगढ़ निवासी का शुभ विवाह 21.04.2019 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों सगे-सम्बंधियों व परिवार जनों ने उपस्थित होकर वर-वधू को शुभाशिर्वाद दिया। इस मंगलमय अवसर पर दोनो पक्षों ने महासभा को 500 रूपये दान स्वरूप भेंट किए।

महासभा नवदम्पति के उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

राजेन्द्र कुमार

सेक्रेटरी विश्वकर्मा मंदिर

पालम, राज नगर-।। फोन न. 9868039242

''आर्किटेक्ट्स में होनहार''

कविता शर्मा को वास्तुकला पुरस्कार **''सबसे अच्छा प्रर्दशन करने वाली महिला छात्र के लिए वास्तुकला के मास्टर (प्रो.) के पहले वर्ष में डिजाइन में''** नकद पुरस्कार के अलावा एक सलाह देने वाले घटक को शामिल किया गया है। मास्टर्स की पढ़ाई और जीवन का अभ्यास विश्वविद्यालय से आर्किटेक्ट्स सेंनेटरी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। कविता को बधाई व शुभकामनाएं। इस सफलता पर महासभा की ओर से उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सीए अनिल शर्मा, सह कोषाध्यक्ष

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26239	श्री मृदुल कटारिया,श्री युवराज कटारिया,करौली,राजस्थान	9869820018	स्वयं
RJ	WP/26240	श्रीमती सपना देवी ,श्री मृदुल कटारिया,करौली,राजस्थान	9869820018	स्वयं
RJ	WP/26241	श्री सन्तोष कटारिया,श्री दिलीप कटारिया,करौली,राजस्थान	9571415122	स्वयं
RJ	WP/26242	श्रीमती आशा देवी ,श्री हर मोहन कटारिया,करौली,राजस्थान	9820629442	स्वयं
RJ	WP/26243	श्री गजानन्द कटारिया जांगिड,श्री इन्द्राज कटारिया,करौली,राजस्थान	9810123369	स्वयं
RJ	WP/26244	श्रीमती सावित्री देवी ,श्री गजानन्द कटारिया,करौली,राजस्थान	9810703369	स्वयं
RJ	WP/26245	श्री सुरेन्द्र कटारिया,श्री गजानन्द कटारिया,करौली,राजस्थान	9413977757	स्वयं
RJ	WP/26246	श्री भगवान सहाय राजोरिया,स्व. श्री लाल राजोरिया,करौली,राजस्थान	9868758657	स्वयं
RJ	WP/26247	श्री योगेश कटारिया,श्री गजानन्द कटारिया,करौली,राजस्थान	9413977757	स्वयं
RJ	WP/26248	श्री मुकेश जांगिड,श्री मोहन लाल जांगिड़,अजमेर ,राजस्थान	9251883280	श्री गोपाल लाल हर्षवाल
RJ	WP/26249	श्री योगेन्द्र प्रसाद जांगिड,श्री नाथू लाल ,अजमेर ,राजस्थान	9829752857	श्री वंशी लाल जी रोड़वाल
RJ	WP/26250	श्री मदन लाल ,श्री योगेश्वर प्रसाद ,अजमेर ,राजस्थान	9829772685	श्री पन्ना लाल लदौया (पीसागज)
RJ	WP/26251	श्री घनश्याम जांगिड (गोठडी वाल),श्री मिश्री लाल गोठड़ी वाल,अजमेर ,राजस्थान	9772823121	श्री पन्ना लाल जी पूर्व अध्यक्ष
RJ	WP/26252	श्री अरविन्द कुमार जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9350576648	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26253	श्रीमती रामेश्वरी देवी जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9350576648	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
UP	WP/26254	श्रीमती रीना देवी जांगिड,श्री गोविन्द सहाय जांगिड़,गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश	9899153688	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26255	श्री अखिलेश जांगिड,श्री रामस्वरूप जांगिड़,करौली,राजस्थान	9828379990	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26256	श्री रामस्वरूप जांगिड,श्री आनन्दी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9414846426	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26257	श्रीमती सुमिता जांगिड,श्री अखिलेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	7014323651	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26258	श्रीमती लक्ष्मी देवी जांगिड,श्री राम स्वरूप जांगिड़,करौली,राजस्थान	8290419880	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26259	श्री पवन कुमार जांगिड,श्री रामस्वरूप जांगिड़,करौली,राजस्थान	9829916177	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26260	श्रीमती मंजु देवी जांगिड,श्री भरोसी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26261	श्रीमती रामा देवी जांगिड,श्री भूपेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	9928540872	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26262	श्रीमती दाखा देवी ,श्री नारायण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जी जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26263	श्रीमती नीलेश जांगिड,श्री ब्रजेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	9646167099	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26264	श्रीमती पुष्पा देवी जांगिड,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	9799015389	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26265	श्रीमती कृपा देवी ,श्री लक्ष्मण लाल शर्मा,करौली,राजस्थान	9999359451	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26266	श्रीमती संगीता देवी ,श्री विजय राजौरिया ,करौली,राजस्थान	9711444469	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26267	श्री रोहित कुमार जांगिड ,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	9799015389	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26268	श्रीमती आरती जांगिड,श्री जितेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	8740812208	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26269	श्री जितेन्द्र जांगिड,श्री गंगा सहाय जांगिड़,करौली,राजस्थान	8740812208	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26270	श्रीमती संगीता देवी जांगिड,श्री मनीष कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	7976277321	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26271	श्री मनीष कुमार शर्मा,श्री गंगा सहाय शर्मा,करौली,राजस्थान	9680704143	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26272	श्रीमती ज्योति जांगिड,श्री राजेश जांगिडत्र,करौली,राजस्थान	9660500851	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26273	श्री राजेश कुमार शर्मा,श्री गंगा सहाय शर्मा,करौली,राजस्थान	9660500851	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26274	श्रीमती शारदा देवी ,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9660105680	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26275	श्री महेश जांगिड,श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783322332	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26276	श्रीमती मिथलेश देवी जांगिड,श्री विष्णु जांगिड़,करौली,राजस्थान	8239565225	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26277	श्री विष्णु जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	8239565225	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26278	श्रीमती सविता देवी जांगिड,श्री कैलाश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9560347241	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26279	श्री कैलाश चन्द्र जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9560347241	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26280	श्रीमती लीला देवी जांगिड,श्री कमल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9587452641	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26281	श्रीमती ऊषा देवी जांगिड,श्री राकेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	9929306670	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26282	श्री राकेश कुमार जांगिड,श्री कमल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9929306670	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26283	श्री प्रशांत जांगिड,श्री कमल जांगिड़,करौली,राजस्थान	8890444727	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26284	श्रीमती ज्योति जांगिड,श्री प्रशांत जांगिड़,करौली,राजस्थान	8890444727	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26285	श्री बृजेश जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9649167099	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26286	श्री कमल जांगिड,श्री राम जी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9587452641	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26287	श्री रामचरण जांगिड,श्री गिर्राज जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783322322	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26288	श्रीमती पुष्पा देवी ,श्री रामचरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783322332	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26289	श्री जय मोहन जांगिड,श्री गोपाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783322332	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26290	श्रीमती गीता देवी जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9694160082	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26291	श्री राकेश जांगिड,श्री रामेश्वर जांगिड़,सवाई माधोपुर,राजस्थान	9571982959	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26292	श्रीमती सुनीता देवी ,श्री महेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783322232	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26293	श्री दयानन्द जांगिड,श्री राम भरोसी ,करौली,राजस्थान	9983585911	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26294	श्री विनोद कुमार जांगिड,श्री नारायण जांगिड़,करौली,राजस्थान	8088767836	श्री गजानन्द जी जांगिड़
RJ	WP/26295	श्रीमती रूकमणी देवी ,श्री विनोद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जी जांगिड़
RJ	WP/26296	श्री गौरी शंकर जांगिड,श्री नारायण जांगिड़,करौली,राजस्थान	9772158938	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26297	श्री देवेन्द्र जांगिड,श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	9772158938	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26298	श्रीमती शकुन्तला जांगिड,श्री गौरी शंकर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26299	श्री मुकेश कुमार जांगिड,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9166856767	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26300	श्री बाबू लाल जांगिड,श्री जगन लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9818219253	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26301	श्रीमती फूलवती ,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26302	श्री राकेश कुमार जांगिड,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9783591407	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26303	श्री भूपेन्द्र जांगिड,श्री प्रहलाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9928540872	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26304	श्री भरोसी लाल जांगिड,श्री कन्हैया लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26305	श्रीमती पिंकी देवी जांगिड,श्री देवेन्द्र जांगिड,करौली,राजस्थान	9680839096	श्री गजानन्द जांगिड़ संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26306	श्रीमती बसन्ती देवी जांगिड,श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26307	श्री राजेन्द्र जांगिड,श्री प्रहलाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	9694453271	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26308	श्रीमती कृष्णा देवी जांगिड,श्री राजेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	9694453271	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26309	श्री गंगा सहाय जांगिड,श्री राम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9799015389	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26310	श्रीमती हेमा देवी जांगिड,श्री गंजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	9660105680	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26311	श्री गजानन्द जांगिड,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9660105680	श्री गजानन्द जांगिड संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26312	श्री ओम प्रकाश जांगिड,श्री कालुराम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	7891763671	श्री चौथमल
RJ	WP/26313	श्रीमती संगीता जांगिड,श्री विरेन्दर कुमार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	8739855471	श्री चौथमल जांगिड़ (उपाध्यक्ष)
RJ	WP/26314	श्रीमती कौशल्या देवी जांगिड,श्री कैलाश चन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9001655811	श्री चौथमल जांगिड़ (उपाध्यक्ष)
RJ	WP/26315	श्री राम रतन जांगिड,श्री प्रभात लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	7600288363	श्री चौथमल जांगिड़ (उपाध्यक्ष)
DL	WP/26316	श्रीमती संजू शर्मा,श्री मुकेश कुमार शर्मा,दिल्ली,दिल्ली	-	श्री अशोक कुमार शर्मा पूर्व संगठन मंत्री महासभा
DL	WP/26317	श्री मोहित जांगिड,श्री मुकेश कुमार शर्मा,दिल्ली,दिल्ली	9810660434	श्री अशोक कुमार शर्मा पूर्व संगठन मंत्री महासभा
RJ	WP/26318	श्री अशोक कुमार जांगिड,श्री भगवत प्रसाद शर्मा,करौली,राजस्थान	9868272740	स्वयं

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26319	श्री भवानी शंकर शर्मा जांगिड,श्री छाजू राम ,सीकर,राजस्थान	9413981055	श्री विश्वकर्मा बालचन्द जांगिड़ डाबला
RJ	WP/26320	श्री उमेद जांगिड,श्री राज जी लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9929371442	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला नीम का थाना
RJ	WP/26321	श्री पंकज जांगिड,श्री राम जी लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	8447735522	श्री बाल चन्द जांगिड़ नीम का थाना
RJ	WP/26322	श्री पूरण चन्द जांगिड,श्री माले राम ,सीकर,राजस्थान	9001633729	श्री बाल चन्द जांगिड़ नीम का थाना
RJ	WP/26323	श्री कैलाश चन्द जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9929820761	श्री बाल चन्द जांगिड़ नीम का थाना
RJ	WP/26324	श्री शिव कुमार ,श्री राम कुमार ,सीकर,राजस्थान	9828844714	श्री बाल चन्द जांगिड डाबला (सीकर)
RJ	WP/26325	श्री अभिषेक जांगिड,श्री सुभाष चन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26326	श्रीमती लीला देवी ,श्री सुरेश कुमार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9413926002	श्री बाल चन्द डाबला नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26327	श्री राजेश कुमार जांगिड,श्री प्रहलाद राम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9725876565	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला नीम का थाना
RJ	WP/26328	श्री कौशल्या देवी जांगिड ,श्री रामावतार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9413072700	श्री डाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26329	श्री संत लाल जांगिड,श्री उमराव लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9784393164	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला
RJ	WP/26330	श्री गौरव कुमार जांगिड,श्री हनुमान प्रसाद जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9829988641	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26331	श्री मंजू देवी ,श्री अशोक कुमार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9116301818	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26332	श्री राम विलास जांगिड,श्री गणपत राम ,सीकर,राजस्थान	8742066182	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26333	श्री शिम्भू दयाल जांगिड,श्री सूरजाराम ,सीकर,राजस्थान	9829885726	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26334	श्री ऋषिकेश जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9929513985	श्री सुनील कुमार जांगिड़ नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26335	कु. प्रीति जांगिड,श्री ऋषिकेश जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9588269381	श्री सुनील कुमार नीम का थाना
RJ	WP/26336	श्रीमती सुमन ,श्री सुनील कुमार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9828880780	श्री बाल चन्द जांगिड़ डाबला सीकर सुनील कुमार जांगिड़
RJ	WP/26337	श्रीमती प्रेम देवी ,श्री राजेन्द्र प्रसाद जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9413544511	श्री बाल चन्द जी जांगिड़ डाबला नीम का थाना (राज.)
RJ	WP/26338	श्रीमती द्रोपती देवी,श्री पवन कुमार जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9413110992	श्री बाल चन्द जी जांगिड़ ड़ाबला नीम थाना
RJ	WP/26339	श्रीमती पुष्पा देवी ,श्री सत्य नारायण जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9166613197	श्री बाल चन्द जांगिड़ प्रधान महासभा नीम का थाना
RJ	WP/26340	श्री सत्य नारायण जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9166131967	श्री बाल चन्द जांगिड़ प्रधान महासभा नीम का थाना
RJ	WP/26341	श्रीमती ममता जांगिड,श्री विजय पाल ,सीकर,राजस्थान	8432747074	श्री बालचन्द जांगिड प्रधान महासभा नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26342	श्री विजय पाल जांगिड,श्री राम किशोर जांगिड़,सीकर,राजस्थान	8432747074	श्री बालचन्द जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26343	श्री राम किशोर जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9828748915	श्री बालचन्द जागी अध्यक्ष नीम का थाना सीकर (राज.)
RJ	WP/26344	श्रीमती सन्तोष देवी ,श्री राम किशोर जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9828748915	श्री बालचन्द जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26345	श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,श्री झूथाराम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9783013561	श्री बाल चन्द जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना सीकर
RJ	WP/26346	श्रीमती ममता देवी ,श्रीमती मनोज कुमार ,सीकर,राजस्थान	9414663884	श्री बालचन्द जांगिड अध्यक्ष नीम का थाना सीकर राज
RJ	WP/26347	श्री मन्सी राम जांगिड,श्री ओमकार मल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9799683325	श्री बालचन्द्र जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना
RJ	WP/26348	श्री किशन लाल जांगिड,श्री कन्हैया लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9829395272	श्री बालचन्द्र जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना
RJ	WP/26349	श्री मनोज कुमार जांगिड,श्री पाला राम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9414663884	श्री बालचन्द्र जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना
RJ	WP/26350	श्री मुकेश कुमार जांगिड,श्री पुष्पा लाला जांगिड़,सीकर,राजस्थान	8432008227	श्री बालचन्द्र जांगिड़ अध्यक्ष नीम का थाना
RJ	WP/26351	श्री योगेश कुमार जांगिड,श्री राधेश्याम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9024860457	श्री बालचन्द जांगिड़ डावला नीम का थाना
RJ	WP/26352	श्री आनन्दी लाल जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9875279929	श्री सुनील कुमार जांगिड़, एडवोकेट, नीम का थाना (सीकर)
RJ	WP/26353	श्रीमती सरोज जांगिड,श्री आनन्दी लाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	7568216284	श्री सुनील कुमार जांगिड़, एडवोकेट नीम का थाना
RJ	WP/26354	श्री मदन लाल बिहारीपुर वाले,श्री नसीराम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9429020737	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26355	श्री सुभाष चन्द जांगिड ,श्री कालूराम ,सीकर,राजस्थान	9950792125	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26356	श्री राजेश कुमार कटारिया,श्री ओम नारायण कटारिया,सीकर,राजस्थान	8764100000	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26357	श्री रामोतार जांगिड,श्री लादूराम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	7891236615	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26358	श्री श्याम लाल जांगिड,श्री नाथूराम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9610044186	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26359	श्री प्रहलाद राम जांगिड,श्री राम गोपाल जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9166554860	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26360	श्री कैलाश ,श्री प्रहलाद जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9828672839	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26361	श्री शंकर लाल जांगिड,श्री लादू राम जांगिड़,सीकर,राजस्थान	9680879271	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26362	श्री द्वारका प्रसाद जांगिड,श्री गट्टू राम ,सीकर,राजस्थान	9680519870	श्री बालचन्द जांगिड़ डाबला सीकर
RJ	WP/26363	श्री देव करण ,श्री प्रभूराम जी,नागौर,राजस्थान	9772009982	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26364	श्री छोटू राम जी जायलवाल,श्री रामचन्द्र जी जायलवाल,नागौर,राजस्थान	9783391781	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26365	श्री माधूराम जांगिड,श्री रामेश्वर लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9982175698	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26366	श्री राम कुंवार सिलग ,श्री पुसा राम सिलग ,नागौर,राजस्थान	9782424118	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना जिला नागौर
RJ	WP/26367	श्री गजेन्द्र जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9983754040	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26368	श्री धर्मेन्द्र जांगिड,श्री मूल चन्द जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9549879573	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26369	श्री सुनील जांगिड,श्री मूल चन्द जांगिड़,नागौर,राजस्थान	7665383398	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26370	श्री अर्जुन जांगिड,श्री राजाराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	-	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26371	श्री कमल जांगिड,श्री राजाराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9928999961	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26372	श्री रामेश्वर ,श्री मोहन जाल ,नागौर,राजस्थान	-	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26373	श्रीमती पुष्पा देवी जांगिड,श्री मोहन लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9983802304	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26374	श्री मनोज कुमार जांगिड,श्री सोहन लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9772609525	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26375	श्री ओम प्रकाश जांगिड,श्री सोहन लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9610326848	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26376	श्री राकेश जांगिड,श्री सोहन लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9549091017	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26377	श्री नेमी चन्द जांगिड,श्री ऊंकार राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9610990291	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26378	श्री राम किशोर जांगिड,श्री भंवर लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9982457375	श्री बाबू लाल चंबेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26379	श्री रामदीन जांगिड,श्री ऊँकार राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9649348982	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26380	श्री जीवण राम जांगिड, श्री घीसा राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9982313669	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26381	श्री सुनील कुमार जांगिड,श्री जीवण राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	7891887530	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26382	श्री छगन लाल जांगिड,श्री अणदाराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9413413539	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26383	श्री रामगोपाल जांगिड,श्री प्रभू राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9587010007	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26384	श्री रामदेव जांगिड,श्री कन्हैया लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9694910842	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26385	श्री पुखराज जांगिड,श्री राजा राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	8696966284	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26386	श्री ओम प्रकाश जांगिड,श्री पूसाराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	8696966284	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26387	श्री बंशीलाल जांगिड,श्री पेमाराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9828560153	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26388	श्री रमेश चन्द जांगिड,श्री सुखराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9421330209	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26389	श्री रामा किशन जांगिड,श्री किस्तुर राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9587002589	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26390	श्री शंकर लाल जांगिड,श्री नारायण जांगिड़,नागौर,राजस्थान	7742389869	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26391	श्री बिरदी चन्द जांगिड,श्री लालू राम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9928527925	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26392	श्री पन्ना लाल जांगिड,श्री शंकर लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9461350064	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26393	श्री हरिराम जांगिड,श्री भंवर लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	7568189811	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26394	श्री अशोक जांगिड,श्री कालूराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	8890753800	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26395	श्री भंवर लाल जांगिड,श्री अमरचन्द जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9462627119	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26396	श्रीमती सुगनी देवी ,श्री भंवर लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9462627119	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26397	श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,श्री मिश्री लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9783430609	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26398	श्री गिरधारी लाल जांगिड,श्री हरिराम जांगिड़,नागौर,राजस्थान	-	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26399	श्री रामनिवास जांगिड,श्री मांगी लाल जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9950380059	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26400	श्री योगेश जांगिड,श्री कैलाश चन्द जांगिड़,नागौर,राजस्थान	9610651273	श्री बाबू लाल चंवेल तह. अध्यक्ष डेगाना (नागौर)
RJ	WP/26401	श्रीमती राज कुमारी,श्री ओम प्रकाश ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26402	श्रीमती शकुन्तला देवी ,श्री बाबू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26403	श्री चरण जांगिड,श्री कलुआ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26404	श्री पीतम जांगिड,श्री दुर्गालाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785724789	स्वयं
RJ	WP/26405	श्रीमती निर्मला देवी ,श्री प्रीतम जांगिड़,करौली,राजस्थान	9785724789	स्वयं
RJ	WP/26406	श्री छीतर मल जांगिड,श्री कलुआ राम ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26407	श्री ओम प्रकाश ,श्री दुर्गा लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26408	श्रीमती बीना देवी ,श्री बृहा दत्त शर्मा,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26409	श्रीमती बबली देवी ,श्री महेश ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26410	श्रीमती रचना देवी ,श्री मनोज कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26411	श्रीमती सरोज देवी ,श्री विमल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26412	श्रीमती राधा देवी ,श्री राज कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26413	श्री मनोज कुमार ,श्री जगन्नाथ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26414	श्रीमती उर्मिला देवी ,श्री जगन्नाथ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26415	श्रीमती कमलेश देवी ,श्री वृजमोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26416	श्रीमती अशर्फी देवी ,श्री जगमोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26417	कु. रेणु जांगिड,श्री मोन्टू राम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26418	श्री राहुल जांगिड,श्री भगणपत जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26419	श्री कैलाश चन्द्र जांगिड,श्री हीरा लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26420	श्री ब्रह्मादत्त शर्मा,श्री जग मोहन शर्मा,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26421	श्रीमती सुमन देवी ,श्री विश्वेश्वर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26422	श्री बृज मोहन लाल ,श्री हीरा लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26423	श्री हरीश जांगिड,श्री महेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26424	श्री विश्वेश्वर जांगिड,श्री जगमोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26425	श्री मोनू कुमार जांगिड,श्री हरिओम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26426	श्री छोटे लाल जांगिड,श्री गिलहरी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26427	श्रीमती अंजना देवी ,श्री शैलेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26428	श्री शैलेन्द्र कुमार जांगिड,श्री हवलूराम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26429	श्री राहुल जांगिड,श्री श्याम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26430	श्रीमती मिट्टो देवी ,श्री श्याम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26431	श्री राज कुमार जांगिड,श्री श्याम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26432	श्री श्याम लाल जांगिड,स्व. श्री राम चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26433	श्री गोविन्द जांगिड,श्री मूल चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26434	श्रीमती राधा जांगिड,श्री गोविन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26435	श्री राजेश कुमार जांगिड,श्री मूल चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26436	श्रीमती कावेरी देवी ,श्री मूल चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26437	श्रीमती गुड़िया वाई ,श्री राजेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26438	श्री मनोज कुमार जांगिड,श्री बृज मोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26439	श्रीमती रामेश्वरी देवी ,श्री हरी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26440	श्री जितेन्द्र कुमार जांगिड,श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26441	श्री हीरा लाल जांगिड,श्री जगन लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26442	श्री चिरन्जी लाल जांगिड,स्व. श्री मांगी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26443	श्री देवेन्द्र कुमार जांगिड,श्री हीरा लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26444	श्री विपिन बिहारी जांगिड,श्री हीरा लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26445	श्रीमती मुरारी लाल जांगिड,स्व. श्री हरी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26446	श्रीमती ममता देवी जांगिड,श्री मुरारी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26447	श्रीमती पदमा देवी ,श्री धर्मेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26448	श्रीमती लक्ष्मी चन्द जांगिड,श्री राम चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26449	श्री जितेन्द्र शर्मा,श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26450	श्रीमती कविता देवी ,श्री लक्ष्मी चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26451	श्रीमती मीरा देवी,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26452	श्री प्रदीप कुमार ,श्री दीन दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26453	श्री वैभव जांगिड,श्री शिव कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26454	श्री हरी शंकर जांगिड,श्री गोपाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26455	श्रीमती प्रियंका देवी जांगिड,श्री वैभव जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26456	श्रीमती आरती देवी जांगिड,श्री अभिनय जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26457	श्री दीपक कुमार जांगिड,श्री गुटेरी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26458	श्रीमती शारदा देवी जांगिड,श्री परम प्रकाश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26459	श्री मनीष विश्वकर्मा,श्री परम प्रकाश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26460	श्री शुभम शर्मा,श्री गजेन्द्र कुमार शर्मा,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26461	श्रीमती लल्लो जांगिड,श्री रामभरोसी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26462	श्री दीपक जांगिड,श्री परम प्रकाश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26463	श्रीमती सुनिता देवी जांगिड,श्री हरी शंकर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26464	श्रीमती रीना देवी जांगिड,श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26465	श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड,श्री नाथू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26466	श्रीमती राम प्यारी देवी जांगिड,श्री नाथू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26467	श्रीमती शिमला देवी जांगिड,श्री मनोज कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26468	श्री सचिन जांगिड,श्री नाथू लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26469	श्री नाथू लाल जांगिड,श्री जगन्नाथ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26470	श्रीमती हेमलता देवी ,श्री हरि बल्लभ जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26471	श्री हरि बल्लभ जांगिड,स्व. श्री गोपाल लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26472	श्रीमती सरिता देवी ,श्री विनोद कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26473	श्री विनोद कुमार ,श्री राम चन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26474	श्रीमती उषा देवी जांगिड,श्री रामेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26475	श्री रमेश चन्द जांगिड,श्री राम चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26476	श्री मोहन लाल जांगिड,श्री राम चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26477	श्री जितेन्द्र कुमार जांगिड,श्री रमेश चन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26478	श्री अशोक कुमार जांगिड,श्री रमेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26479	श्रीमती जीनू जांगिड,श्री अशोक कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26480	श्री देवानन्द जांगिड,श्री बुदी राम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26481	श्री सचिन कुमार जांगिड,श्री देवा नन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26482	श्री सुरेश चन्द्र जांगिड,श्री पूरणमल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26483	श्रीमती कमलेश देवी ,श्री सुरेश चन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26484	श्री नागेन्द्र कुमार जांगिड,श्री सुरेश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26485	श्री पंकज जांगिड,श्री सुरेश चन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26486	श्री सुभम जांगिड,श्री बिजेन्दर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26487	श्रीमती ममता देवी ,श्री बिजेन्दर जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26488	श्रीमती द्रोपती देवी जांगिड,श्री दामोदर लाल जांगिड,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26489	श्रीमती चन्द्रकला जांगिड,श्री तुलसी राम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26490	श्रीमती सन्तरा देवी ,श्री पभू दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26491	श्रीमती रामनीरी देवी जांगिड,श्री रामचरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26492	श्री दामोदर लाल जांगिड, श्री कल्याण प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26493	श्री शेवेन्द्र जांगिड,श्री मिश्री लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26494	श्री गौरी शंकर जांगिड,श्री रावस्रूप जांगिड़ ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26495	श्री नरोत्तम जांगिड,श्री जगमोहन जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26496	श्रीमती माया देवी जांगिड,श्री रवि कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26497	श्री रवि कुमार जांगिड,श्री बनवारी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26498	श्री हरि ओम जांगिड,श्री राम भरोसी जांगिड,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26499	श्री संजय जांगिड,श्री बनवारी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26500	श्रीमती रितु जांगिड,श्री जीतेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26501	श्रीमती बैकुण्ठी देवी ,श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26502	श्री पुरूषोत्तम जांगिड,स्व. श्री मांगी लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26503	श्री जय दयाल जांगिड,स्व. श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26504	श्री संतोष जांगिड,स्व. श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26505	श्रीमती शकुन्तला देवी जांगिड,श्री जय दयाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26506	श्रीमती पप्पी देवी जांगिड,श्री सन्तोष जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26507	श्रीमती पप्पी जांगिड,श्री इन्द्राज जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26508	श्री इन्द्राज जांगिड,श्री घूड़मल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26509	श्रीमती राधा देवी जांगिड,श्री महेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26510	श्री महेन्द्र जांगिड ,श्री घूड़मल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26511	श्रीमती सुशीला देवी जांगिड,स्व. श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26512	श्री भगवती प्रसाद जांगिड,श्री मुकुट राम ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26513	श्री राहुल जांगिड,श्री भगवती प्रशाद ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26514	श्रीमती कुशुम देवी ,श्री भगवती प्रशाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26515	श्रीमती पूजा जांगिड,श्री राहुल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26516	श्री महेश चन्द ,श्री केदार मल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26517	श्रीमती सुमन देवी ,श्री लच्छीराम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26518	श्रीमती सुनीता,श्री महेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं

वर चाहिए

(F-1/5/19) Wanted a suitable match for fair girl D.O.B. 18-09-1989 in Delhi, Ht.-5'2", Birth Time- 02:22 AM, Education- 10+2 with Science, B.Tech Electronics & Communication 2011, **Shasan**-Self-Malikpuria, Mother-Rajotia,(राजोतिया) Grand Mother- Kalonia, **Contact**- 9911858205, 9310102550

(F-2/5/19) सुशिक्षित एवं स्थापित जांगिड ब्राह्मण परिवार की कन्या हेतु योग्य वर की आवश्यकता है।जन्म तिथि-20.10.1993 प्रात: 11:30 बजे, बड़वानी, (मं.प्र.), कद- 5'6'', शिक्षा- बी.ई(आई.टी.) जलगांव, व एमबीए कार्डिफ (यू.के), खुद का व्यापार पूना में । शासन-स्वयं-मणेठिया, मां- राजोरिया, दादी-आंधिवाल, नानी-धनेरवा, सम्पर्क सूत्र- सुनील शर्मा 9425087720

Email:- sunil@smsbarwani.com.

(F-3/5/19)Looking for a suitable match for fair. manglik J.B. girl, D.O.B. 17.03.1991, Ht - 5'4'', Fashion design graduate from NIFT, Gandhi Nagar. Running her own company in Delhi. Preference well qualified & well settled boy (Delhi/NCR). Shasan- Self - Jhitawa, M - Tongaria, G.M - Chuil. Contact Prakash Sharma (Kota), M - 9928024203,
E-Mail: pshiva.sharma@gmail.com

(F-1/6/19) Wanted a suitable match for fair J.B. girl, D.O.B. 19.05.1992, Time- 11:00 A.M. day time(Monday) at Delhi, Ht - 5'2'',Qualification- B.A(IGNOU), M.A. Persuing from IGNOU, JBT (J&K) Occupation- Tutor, Shasan- Self - Chhavaniya, M - Khandelwal, G.M - Sirsariya. Contact Mahender Singh, M - 9891609700, 9953716663

(F-2/6/19) Wanted a suitable match for fair J.B. girl, D.O.B. 05.07.1987, Time- 04:10 P.M. at Gharaunda (Karnal,Hr.), Ht - 5'6'',Qualification- M.Com(divorcee), Shasan- Self - Lakhman, M - Silot, G.M - Gadwale. Contact- 9416568096

(F-4/11/17)आवश्यकता है वैदिक विचारों से ओत प्रोत कन्या हेतु जन्म तिथि- 12.06.1992 (नई दिल्ली), कद-5'6'', के लिए सुयोग्य वर की। हिन्दुस्तान ऐरोनोटिक्स लि. (HAL) (बैंगलूरू) P.S.U उपप्रबन्धक पद पर कार्यरत। शिक्षा-बी.टेक, **शासन**-स्वयं- चोयल, **मां**-भामरिया, दादी-काकटयान, **सम्पर्क सूत्र**- 8368508395 , 8178594985

वधू चाहिए

(M-4/1/18)आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु सुयोग्य कन्या की। जन्मतिथि- 12.01.1989, समय-10:10 PM,जन्म स्थान-शामली,कद-5'7'',शिक्षा:-एम.कॉम कार्यरत दिल्ली सरकार में जिला अधिकारी कार्यालय में क्लर्क पद पर।**शासन**-स्वयं-वत्स(काला), **माँ**-डूमरवाल, **दादी**-तहनगरिया, नानी- बेरवाल **सम्पर्क सूत्र**-श्री राजेन्द्र शर्मा- 9971921383, 9910843240

(M-03/04/19) Wanted a suitable match for J.B. boy, D.O.B.-26/04/1992, at Dehradun at 21:05 P.M Ht.-6.'3", Qualification- M.Tech (Computer Science). Own busines. **Shasan**-Self-Dhanerwal,M-Jalonia,GM-Titloya,Nani-Kakodiya.**Contact**-9810942778
E-mail- asun.arise@gmail.com

(M-01/05/19) Wanted suitable match for Delhi based J.B. boy, D.O.B.-30/07/1992, at Delhi, Time- 3:40:52 A.M.,Ht.-5'6",Education- MBA(Finance), Job Analyst MNC Gurugram from GGSIPU., Dwarka Main Campus **Shasan**-Self-Charkhiya,M-Dabhiya,Grand Mother Peteranal-Jawalia, Grand Mother (Maternal)-Kaktain.**Contact**-9999025032 & 9354623056 & 9999085036

(M-2/5/19)आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु सुयोग्य कन्या की। जन्मतिथि- 14.09.1992,जन्म स्थान-दिल्ली, शिक्षा:-बीबीए व डायमंड कोर्स, व्यवसाय- स्वयं का ज्वैलरी पैकेजिंग, **शासन**-स्वयं-बिडे, **माँ**-वत्स, **दादी**-धनदेरवा, **सम्पर्क सूत्र**- 011-22000967, 9811047994, 9873905050,

वधू चाहिए

(M-05/05/19)आवश्यकता है, जा. ब्रा. मांगलिक युवक हेतु सुयोग्य कन्या की। प्राथमिकता - पुणे में कार्यरत प्रोफेशनल। जन्म तिथि - 29-06-1989, जन्म स्थान - उज्जैन (म.प्र.), कद - 5'8'', शैक्षणिक योग्यता - B-E-(Computer Science), वर्त्तमान में पुणे की IT कंपनी में कार्यरत। वार्षिक आय - 9.1 LPA- गौत्र - स्वयं - बैरांवडिया, माँ - निम्बोदिया, दादी - भेरवाडिया, नानी - गुलानिया. पेत्रिक गाव - लोरवाडा (जि. सवाई माधोपुर, राजस्थान). सम्पर्क सूत्र - 7067256423, 8275989520

(M-01/06/19) A reputed family from Udaipur, Rajasthan is looking for a well-educated, settled boy from reputed family for their 28 year daughter. Her D.O.B. is 27.12.1990 (at 1.30PM, Beawar (Rajasthan)) and M.B.A. in international business and working in a multinational shipping company at Gurgoan. , Height 5'2'' with fair complexion. Shasan: Self-Bhardwaj, M-Usania. Contact- 9460726597. E-mail: bhardwajpalak54@gmail.com

(M-2/6/18) आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु सुयोग्य कन्या की। आयु- 28 वर्ष, शिक्षा:-बी.ए., व्यवसाय- सोने चांदी से सम्बंधित फेंसी पायलों के निर्माता व डाईकटर्स, रोहतक में,मूल निवास- हाथरस, ।**शासन**-स्वयं-मांदीवाल, **माँ**-धेमन, **दादी**-आमेरिया, **सम्पर्क सूत्र**- 9671273755, 9466596568

(M-3/6/18) आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु सुयोग्य कन्या की। आयु- 26 वर्ष, शिक्षा:-बी.ए., व्यवसाय- सोने चांदी से सम्बंधित फेंसी पायलों के निर्माता व डाईकटर्स, रोहतक में,मूल निवास- हाथरस, ।**शासन**-स्वयं-मांदीवाल, **माँ**-धेमन, **दादी**-आमेरिया, **सम्पर्क सूत्र**- 9671273755, 9466596568

(M-2/6/17)-Wanted suitable match for Jangid Brahman boy **D.O.B.** 11.06.1985. at 10:15 PM in Delhi, Ht.- 6'0", Building Construction Business, **Shasan**-self-Wazirwal,**Mother**-Jhuljhlia,**GM**-Kaloniya,**Nani**- Baldiya,Cont- S.K Sharma-09015158082, 09811386868, and 011-43052585, 9811383868, 7982820119, 8920072060,

(M-3/6/19)-Wanted a suitable match for delhi settled J.B. boy **D.O.B.** 04.12.1991 at Delhi, Ht.-5'10", Education- B.Tech, M.Tech, Job-working in HDFC as Deputy Manager, **Shasan**-self-Gadhedia,**Mother**-Jatuskaran,**GM**-Ladhediya **Contact**- 9013231384, 9711288240

-अनुरोध-

प्रबुद्ध लेखक गण व जांगिड ब्राह्मण समाज बन्धुओं से अनुरोध है कि वे समाज हित में अपने आलेख, होनहार प्रतिभाओं,वैवाहिक विज्ञापन व कार्यक्रमों की सूचना तथा ताजा जानकारियां ''जांगिड ब्राह्मण'' पत्रिका में छपने हेतु महासभा कार्यालय 440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006 के पते पर प्रेषित करें।

तथा जो भी सूचना जानकारियां महासभा को भेजें उसमें अपना मोबाइल नम्बर व नाम पता अवश्य लिखने की कृपा करें।

-सम्पादक

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

बडे दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती चांद कोर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री प्रताप सिंह महनवाल (निवासी जोंती दिल्ली) काठमंडी बहादुरगढ़ का 90 साल की आयु में 11-05-2019 को इस भौतिक शरीर को छोड़कर पंचतत्व में विलीन हो गई। वह बहुत ही सेवाभावी शील स्वभाव और परिवार की उन्नति में गहन रूचि रखने वाली महिला थी । वह अपने पीछे तीन पुत्र श्रीकृष्ण बाल किशन नरेश कुमार, एक सुपुत्री कला देवी तथा तीन पुत्रवधू, दामाद, चार पोती, तीन पोते तीन पड़पोते, एक पड़पोती तथा नाती नातिन सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है।

इनके परिवार ने इनकी तेरहवीं पर 20-05-2019 को अनेक धार्मिक संस्थाओं को दान राशि भेंट की तथा महासभा को भी 1100 रुपये दान स्वरूप दिये । हम परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि हे परमात्मा दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे तथा शोक संतप्त परिवार को इस दु:ख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति:, शांति:, शांति:

–सत्यपाल वत्स आर्य बहादुरगढ़ (हरि.)

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री छोटूराम सुपुत्र स्व. श्री गणेशराम कासलीवाल निवासी पांचोता, तह. नावां. जिला नागौर का 22.04.2019 को 60 वर्ष की आयु में आक्स्मिक निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र, दो पुत्रियों (सभी विवाहित) सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं। श्री छोटूराम एक साधारण परिवार में जन्में थे लेकिन अपनी मेहनत व लग्न से गुजरात में अच्छा व्यवसाय स्थापित किया। इनकी रस्म पगड़ी पर परिवार जनों ने 500/- रूपये महासभा को दान स्वरूप भेंट किए।

महासभा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें।

ॐ शांति:, शांति:, शांति:

हरीराम जांगिड, अध्यक्ष
तहसील सभा–नावां शहर, जि.नागौर

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि भाई प्रेम दत्त शर्मा (रिटायर अध्यापक राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत) आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी का स्वर्गवास दिनांक 09.04.2019 को हो गया है। समाचार मिलने पर अत्यंत दु:ख हुआ। आप बहुत ही मृदुभाषी, शांत स्वभाव वाली, कुशल गृहणी थी। आप अपने पीछे पति, एक पुत्र, एक पुत्री, एक पौत्र, एक पौत्री व नाती सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं। इनके शांति यज्ञ में 18.04.2019 को समाज के गणमान्य व्यक्तियों, सगे सम्बन्धियों व परिवार जनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर परिवार जनों ने 500/- रूपये महासभा को दान स्वरूप भेंट किए।

महासभा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान दें। ॐ शांति:, शांति:, शांति:

रविन्द्र जांगिड,
मंत्री प्रदेशसभा उत्तर प्रदेश

KRISHNA INTERIORS

Royal Interiors

- RAMPAL SHARMA, MANAGING DIRECTOR.
- IN THE BUSINESS FOR 30 YEARS
- WE OFFER WIDE RANGE OF INTERIOR SERVICES FOR RETAIL SPACES,,OFFICES AND RESIDENCES.
- TURNKEY PROJECT SPECIALISTS AND PAN INDIA PROJECTS

CONTACT DETAILS...

OFFICE – 13/14 ROYAL CHAMBERS, DODDA BANASWADI, OUTER RING ROAD, NEAR VIJAYA BANK COLONY, BANGALORE-560043.

FACTORY- SURVEY NO 119, KANNUR VILLAGE DODDAGUBBI , POST BIDARAHALLI, BANGALORE-562149

PH-080-25426161,080-25427191
EMAIL ID : ROYALBANGALORE@GMAIL.COM
WEBSITE : WWW.KRISHNAINTERIORSINDIA.COM, WWW.ROYALINTERIORSINDIA.COM
FACEBOOK : WWW.FACEBOOK.COM/ROYALINTERIORSINDIA
INSTAGRAM : WWW.INSTAGRAM.COM/ROYAINTERIORSINDIA

C. L. JANGID
CHARIMAN

L. R. JANGID
MANAGING DIRECTOR

JANGID INTERIOR DÉCOR PVT. LTD.

Regd. Office : A-357E, Near Sangam Lodge, Mangal Bazar Raod, Sangam Vihar, **New Delhi**-110080
Tel.: 011-64508820, Fax : 011-26048401, Mob.: 9811038827,
E-mail : jangidint@yahoo.co.in, lr_jangid@yahoo.com

Branch Office : Plot No.5, Angira, GUT No. 139, Satara Parisar, Aurangabad, **Maharashtra**-431010
: 1533A/31, Rajinder Park, Daultabad Road, Gurugram, **Haryana**.
: C-70, Krishna Township, Opp. Yash Complex, Gotri Road, Vadodara Road, **Gujarat**
: KH.No. 1268, Delhi-Jaipur Mile Stone No. 110, NH-8, Near Sahanjahanpur Flyover, Tehsil- Behror, Dist.-Alwar, **Rajasthan.**
: S. No. 2, Highway City Market, Near Nawada, Post-Aurangabad, **Mathura-**281001
: No.9, SLNS Complex, Sunguvarchatrom, Chennai, **Tamilnadu**
: Ground Floor, 11, Irugulam, Satyavedu Mandal, Rasapalem, Chittoor, **Andhra Pradesh**-517588

CHOYAL®
World Class Grinding Solutions
www.choyal.com
squeezing out every drop of power
Introducing
World's 1st Wonder Mill
Digitally Controlled (PLC) CHAKKI
maximum output
maximum quality
maximum consistency
maximum saving
SHRI VISHVAKARMA
(EMERY STONES) INDUSTRIES PVT. LTD.
Regd. Office & Works : Vishvakarma Nagar, P.O. Saradhana – 305206
Distt. Ajmer (Rajasthan). INDIA
Ph. : +91-145-2782228, 2782231 • Fax : 91-145-2782501, 2683999
Ajmer Office : "Shyama", 38 - Adarsh Nagar, Ajmer- 305 001
PRODUCTS
Wondermill (PLC)
Flourmills
Emery Stones
Grain Handling
Grain Processing
Turnkey Projects
Concept Designing
Automation Solution
WE NEVER FORGET HOW MUCH YOU RELY ON
CHOYAL®
Numbers, type of items shown in the picture may differ or may not be the part of standard equipment depending upon the specification, requirement, situation, model no. and need of R&D.
All specifications are approximate and are not binding to details. We reserve to amend and alter them without notice.

Late. Prem Narian Sharma
+91-9313047926
Umesh Kumar Sharma
+91-9351064311
VISHWKARMA LAMINATES (P) LTD.
AN ISO 9001-2000 COMPANY
E-165, MIA, ALWAR (RAJASTHAN) INDIA Mobile : 09610509999
PREM IKA INDIA PVT. LTD.
MANUFACTURES OF : LAMINATE SHEETS.
A-466-A, MIA ALWAR (RAJASTHAN) INDIA
Mob.: 09057430000
AN ISO 9001 : 2000 Company
KVQA
NORSK AKKREDITERING MSYS 007
VL
IS : 2036
ISI
CM/L-3102528
E-mail : vishwkarma.laminates@yahoo.com
Website : www.vishwkarmalaminates.com
MANUFACTURES OF :
ALL KINDS OF INDUSTRIAL BAKELITE SHEETS
ELECTRIC PANEL BOARD SHEETS & SWITCH BOARD SHEETS
ALL COLORS OF BOTH SIDE LAMINATE SHEET OF EVERY THICKNESS IN ALL SIZES
VHYLAM®
PREMICA®
HYLITE®
PREM ELECTRIC CO.
Shop No. 1760/66, Dayal Building Shop No. G-5/2, Bhagirath Palace, Delhi-6
Godown : 1556, 3rd Floor, Bhagirath Palace, Delhi-6, Tel.: 011-23869758, 23874004, 23876945

KANTI PRASAD JANGID

Sripawan

The Natural Stone Conglomerate

Sripawan Stonetech specialist in all kind of stones like Indian and Imported marble, granite works with two and half decade experience of stone industry with National and International reputed architects and Interior Designers. We have a team of highly motivated craftsman, high technical modern workshop, dedicated to the creation of beauty and elegance in stone. We also deal in giving the complete solutions for marble, granite and sand stone works. Our mission is the highest standards in our industry. Also client satisfactions are our main motto.

Location : Residence Farm House project in New Delhi

Sripawan Stonetech India(P)Ltd.

(Stone & Marble Projects Company Nationwide)

KPJ Marbosys India (P)Ltd.

(Overseas Marble Trading Company)

Head Office :- W-23, Anupam Garden, IGNOU Road, Sainik Farm, New Delhi-110068 India

Ph. :- +91-11-65650161, 29531567, Mo.9811071694 email: stoneinfo@sripawan.com

CNC Works Unit :-Plot No. 256,257,258 , Road No.-0, Ghitorni Enclave, New Delhi.

Sand Stone Works Unit:-RICCO Industries Area Hindaun City, Dist. Karauli (Raj) India

• Mumbai • Bangalore • Indore • Guwahati

| Mumbai | Bangalore | Indore | Guwahati

Om Metal Works

Head Office : K-119/196, Saboli, Nand Nagari, Delhi-110093
Cont. No. 011-22344899 Fax No. 011-22341825
E-mail : om.metal.work@gmail.com

SANJEEV KUMAR JANGID
Cont. Nos 9136547312

SANDEEP KUMAR JANGID
Cont. Nos 9871927312, 8010325412

SURENDER KUMAR JANGID (Badhal Wale)
(Cont. Nos 09899103667, 09312247312)

Shri Krishna Enterprises

Head Office : Plot No. 5, Ram Kishan Colony, Hindon-Wazirabad Road,
Near Shalimar City, Ghaziabad (U.P.) - 201 005
Cont No. 0120 - 2903000, E-mail : shrikrishna894@gmail.com

Manufacturers & Suppliers :

Hospital Furniture, Surgical Boxes, Bed Side Locker, Examination Couch, Instrument Cabinet, Medicine Almirah Medicine Trolley, Tools Trolley & Scientific Instrument etc.

Receipt No- 1486/22261, Date-17-06-2019, Amout- 6000/-

दिनांक 23 मई, 2019 को लखनऊ में श्रीमती अनिता एवं डॉ.सी.पी.शर्मा विशेष सचिव से.नि.की सुपुत्री ऐश्वर्या का दहेज रहित आदर्श विवाह चि. सत्येन्द्र (थाईलैंड)के साथ बड़े ही हर्षोल्लास व बड़ी धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।महासभा नवदम्पति के स्वस्थ,एवं उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

उक्त समारोह में श्री लादूरामजी-प्र.अ.दिल्ली, श्री गंगादीन जी-प्र.वि.मंदिर दिल्ली, श्री रामपाल जी-पूर्व सह. सम्पादक, श्री दिनेश जी-प्र.टोक महासभा, श्री संजय हर्षवाल-उपप्रधान, श्री ओ.पी.शर्मा-आर.ए.एस.सेवा.नि., श्री एम.एल.जांगिड-आर.ए.एस. सेवा नि., श्री हरिशंकर-कांग्रेस(ओ.बी.सी), श्री दीपक-कांग्रेस(ओ.बी.सी.),श्री गोपाल चोयल-उपप्रधान, श्री ओम चोयल-समाजसेवी, श्री श्रद्धानन्द-समाजसेवी, श्री ध्यानसिंह-जिलाअध्यक्ष मोदीनगर, श्री सूरज शर्मा, आगरा, श्री द्वारका शर्मा-आगरा, श्री आर.के.शर्मा-आगरा, श्रीमती सीमा जांगिड, दिल्ली, श्रीमती संतोष जांगिड-महिला अध्यक्ष पाली, श्री राजकुमार विश्वकर्मा-आई.पी.एस./डी.जी.पी.उत्तर प्रदेश।

सम्पादक

चि. विनय सुपुत्र श्रीमती सुनीता एवं श्री सुशील शर्मा निवासी म.न. 861/23 हीरा नगर गुड़गांव हरियाणा का शुभ विवाह सौ. भावना सुपुत्री श्रीमती सुनीता जांगिड एवं सुरेन्द्र जांगिड निवासी जयपुर दिनांक 08 फरवरी 2019 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ । इस शुभ अवसर पर वर पक्ष की ओर से महासभा को दानस्वरूप 4000/-रूपये, रसीद न.1487/22327, दिनांक-16.05.2019 भेंट किए गये।

महासभा नवदम्पति के स्वस्थ, सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

वेद प्रकाश शर्मा, रेवाडी, उप प्रधान, अ.भा.जा.ब्रा.महासभा दिल्ली

अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर नरेला दिल्ली के शताब्दी समारोह की चित्रावली

SHARMA
Group of companies

Founder
Late Shree Kanhaiyalal Sharma
(Choyal)

HYUNDAI | NEW THINKING. NEW POSSIBILITIES.

One Of The Largest Ultra Modern
Customer Care Center
@ Naroda

Authorised Dealer for Hyundai

SHARMA HYUNDAI
Ashram Road ■ Naroda ■ Parimal Garden ■ Shyamal Cross Road

Sales & Service :
Ashram Road:
Mount Carmel Cross Rd,
Ahmedabad.
Ph. : 079-40018800/50

Sales:
Shyamal Cross Road :
15-16, Shangrila Arcade,
Anandnagar-Prahaladnagar Rd, A'bad.
Ph.: 079-40400800/9099978334

Service :
Naroda : New Main Workshop
Plot No. 902/903, Phase 4,
GIDC Estate, Naroda, Ahmedabad.
Ph. : 079-4080 4080

Certified Used Cars Showroom : Meera Manan Arcade, Nr. Krupa Petrol Pump, Ellisbridge, Ahmedabad. Ph.: 079-40080801, 9099978337

PROMISE
APPROVED USED CAR

Sharma Hyundai, Ahmedabad   http://sharma.hyundaimotor.in

Authorised Dealer for Toyota

NARMADA TOYOTA

VADODARA : Sales & Service :
987 /10, G.I.D.C. Makarpura, Vododara.
Ph. : 0265-6132000, 9099916641/42
Email : sales@narmadatoyota.com

ANAND : Sales & Service :
Between Samarkha & Ravlapura, B/S Spice Gas Station, N.H.8, Lambhvel, Anand. Ph.: 9099916631/32
Email : sales.anand@narmadatoyota.com

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2018-20
Posted Under Licence No. U(DN)39/2019-20
of Post without prepayment of postage

Printed, Published by Sh. Jagdish Prakash Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) All India Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed by M/s. Kamal Printers, B 18-428/1 Upper Anand Parbat, New Delhi-110005, Published at Delhi, Editor-Sh. Prabhu Dayal Sharma, 41, Shiva Colony, Tonk Phatak, Jaipur, Raj.

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 June 2019
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006